



मध्यप्रदेश शासन

# प्रशासनिक प्रतिवेदन वर्ष 2018-19



पशुपालन विभाग  
मध्यप्रदेश शासन

**मंत्रालय**

पद नाम	नाम	दूरभाष	
		कार्यालय	निवास
मंत्री	माननीय श्री लाखन सिंह यादव	2708769	2660650 2660554
अपर मुख्य सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त	श्री प्रभांशु कमल	2441675	2440082
अपर मुख्य सचिव	श्री मनोज श्रीवास्तव	2576006	2430541
उप सचिव	श्री प्रकाश जांगरे	2573904	—
अवर सचिव	श्रीमती कलिस्ता कुजुर	2512023	—

**विभागाध्यक्ष**

पद नाम	नाम	दूरभाष	
		कार्यालय	निवास
संचालक पशुपालन	डा० आर०के० रोकड़े	2772262	2765340
प्रबन्ध संचालक मध्यप्रदेश स्टेट को-आपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड	श्री प्रमोद गुप्ता	2602145	—
प्रबन्ध संचालक मध्यप्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम	डा०एच.बी.एस. भदौरिया	2776086	2980223
प्रबन्ध संचालक मध्यप्रदेश गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड	डा० आर०के० रोकड़े	2776310	2765340

## विषय सूची

भाग	विषय	पृष्ठ
एक	1.1 विभागीय संरचना	1
	1.2 अधीनस्थ कार्यालय	2
	1.3 विभाग के अन्तर्गत आने वाले उपक्रम/ निगम मण्डलों का विवरण	2
	1.4 विभाग का उद्देश्य	3
	1.5 विभाग से संबंधित सामान्य जानकारी	3
	1.6 तकनीकी कार्य	3
	1.7 पशु स्वास्थ्य रक्षा एवं संवर्धन	4
	1.8 मध्य प्रदेश पशुधन विकास नीति	5
	1.9 नस्ल सुधार	5-10
	1.10 महत्वपूर्ण सांख्यिकी	10-12
दो	बजट विहंगावलोकन एवं बजट प्रावधान एवं व्यय	13-14
तीन	राज्य योजनाएं तथा केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं	15
	3.1 हितग्राही मूलक योजनाएं	15-21
	3.2 पशु चिकित्सा सेवाओं का विस्तार	22
	3.3 पशु संजीवनी 1962	22
	3.4 भ्रूण प्रत्यारोपण प्रयोगशाला की स्थापना	22-23
	3.5 पशु आश्रय स्थल आसरा	23
	3.6 पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय	23
	3.7 केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं	23-33
चार	शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र/भेड़ प्रक्षेत्र/बकरी प्रक्षेत्र/कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र	34
	4.1 शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र का उद्देश्य	34
	4.2 शासकीय भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्र का उद्देश्य	35
	4.3 शासकीय बकरी प्रजनन प्रक्षेत्र का उद्देश्य	35
	4.4 शासकीय कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र का उद्देश्य	36
पांच	सामान्य प्रशासनिक जानकारी	37-39
छः	विभागीय उपलब्धियां	40
	6.1 महत्वपूर्ण विभागीय उपलब्धियां	40-41

सात	विभाग के अन्तर्गत आने वाले निगम, बोर्ड एवं समितियां	42
	7.1 म.प्र.राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम	42-43
	7.2 एम.पी. स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड	44-46
	7.3 म.प्र.गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड	46-48
	7.4 पशु रोगी कल्याण समिति	48
	7.5 पशु कूरता निवारण समिति	49
	7.6 मध्य प्रदेश पशु चिकित्सा परिषद्	49
आठ	परिशिष्ट एक -जिलेवार 19वीं पशु संगणना 2012 के आंकड़े	50-51
	परिशिष्ट दो - 19वीं पशु संगणना में मध्यप्रदेश की हिस्सेदारी	52
	परिशिष्ट तीन- देश के अन्य राज्यों की तुलना में प्रदेश के पशु उत्पादों की जानकारी (वर्ष 2017-18)	53
	परिशिष्ट चार -जिलेवार अनुमानित दूध,अण्डा,मांस की जानकारी (वर्ष 2017-18)	54-55
	परिशिष्ट पांच- 19वीं पशु संगणना 2012 अनुसार प्रजनन योग्य गौ-भैंस (मादा पशु) की जानकारी	56-57
	परिशिष्ट छः - 19वीं पशु संगणना 2012 अनुसार म.प्र. में पशु चिकित्सा संस्थाओं पर पशुधन स्थिति ( 2018-19 की स्थिति में )	58-59



## 1.2 अधीनस्थ कार्यालय

- (i) संचालनालय पशुपालन,
- (ii) पशु स्वास्थ्य एवं जैविक उत्पाद संस्थान महु जिला इन्दौर,
- (iii) संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, समस्त संभाग,
- (iv) उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं समस्त जिले,
- (v) राज्य पशु रोग अन्वेषण प्रयोगशाला, भोपाल,
- (vi) माता महामारी उन्मूलन कार्यक्रम म0प्र0, भोपाल,
- (vii) मुँहखुरी रोग व्यापकी इकाई, भोपाल,
- (viii) कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल/मंडला,
- (ix) सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षण संस्थान शिवपुरी,
- (x) राज्य पशु चिकित्सालय भोपाल,
- (xi) जर्सी पशु प्रजनन प्रक्षेत्र भदभदा (भोपाल)
- (xii) पशु प्रजनन प्रक्षेत्र मिनौरा (टीकमगढ़) आगर (मालवा) रोड़िया (खरगौन), रतौना (सागर), इमलीखेड़ा (छिंदवाड़ा), गढ़ी (बालाघाट), पवई (पन्ना),
- (xiii) बकरी प्रजनन प्रक्षेत्र आरोन (ग्वालियर), मिनौरा (टीकमगढ़),
- (xiv) भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्र पड़ोरा (शिवपुरी), मिनौरा (टीकमगढ़), बांसाखेड़ी (मंदसौर)
- (xv) कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र एवं अनुसंधान केन्द्र भोपाल,
- (xvi) कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र इन्दौर/ग्वालियर/रीवा/शहडोल/छिंदवाड़ा/झाबुआ/गुना/सागर,
- (xvii) कुक्कुट प्रशिक्षण विद्यालय, रीवा

## 1.3 विभाग के अन्तर्गत आने वाले उपक्रम/निगम/मंडलों/परिषद्/संस्थानों का विवरण

- 1.3.1 मध्यप्रदेश गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड,
- 1.3.2 मध्यप्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड
- 1.3.3 मध्यप्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम,
- 1.3.4 म0प्र0पशु चिकित्सा परिषद,
- 1.3.5 नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर

## 1.4 विभाग का उद्देश्य

पशुपालन विभाग का उद्देश्य पशु स्वास्थ्य रक्षा तथा पशु संवर्धन एवं संरक्षण के माध्यम से पशुधन एवं कुक्कुट उत्पाद में वृद्धि करना तथा कमजोर वर्ग के हितग्राहियों को पशुपालन के माध्यम से आर्थिक लाभ पहुँचाना है।

## 1.5 विभाग से संबंधित सामान्य जानकारी

1 नवम्बर, 1956 को मध्यप्रदेश के गठन उपरान्त 20 मई, 1962 को कृषि विभाग के अन्तर्गत ही पृथक से संचालनालय, पशु चिकित्सा सेवाएं स्थापित किया गया। वर्ष 1981में पशुपालन विभाग को कृषि विभाग से पृथक करते हुए स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में लाया गया। 4 फरवरी 2011से संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाएं का नाम परिवर्तन कर संचालनालय, पशुपालन किया गया है।

1.5.1 प्रदेश का कुल क्षेत्रफल (हजार वर्ग किलोमीटर में)	308
1.5.2 प्रदेश की कुल जनसंख्या (लाख में जनगणना 2011)	726
1.5.3 प्रदेश में कुल पशुधन संख्या (लाख में पशु संगणना 2012)	363
1.5.4 प्रदेश की कुल गौवंशीय पशु (लाख में पशु संगणना 2012)	196
1.5.5 प्रदेश की कुल भैंसवंशीय पशु (लाख में पशु संगणना 2012)	82
1.5.6 प्रदेश की कुल भेड़ा-भेड़ी पशु (लाख में पशु संगणना 2012)	3
1.5.7 प्रदेश की कुल बकरा-बकरी पशु (लाख में पशु संगणना 2012)	80
1.5.8 प्रदेश की कुल कुक्कुट (लाख में पशु संगणना 2012)	119

## 1.6 तकनीकी कार्य

- 1.6.1 पशु चिकित्सा सेवाएं अन्तर्गत पशु रोगों की रोकथाम तथा उसका उपचार,
- 1.6.2 पशु रोग अन्वेषण,
- 1.6.3 टीकाकरण,
- 1.6.4 बधियाकरण,
- 1.6.5 पशुपालन अन्तर्गत समग्र पशुधन का संरक्षण/ संवर्धन एवं विकास,
- 1.6.6 समुन्नत प्रजनन,
- 1.6.7 पशुपालन विस्तार सेवा,
- 1.6.8 पशुधन विकास कार्यो का पर्यवेक्षण,
- 1.6.9 कुक्कुट पालन, प्रजनन, संवर्धन,
- 1.6.10 दुग्ध, दुग्ध उत्पादों, अण्डों, मांस की जांच गुणवत्ता नियंत्रण,
- 1.6.11 डेयरी गतिविधियों का सर्वेक्षण, विस्तार, विकास सॉख्यकी,
- 1.6.12 सेवाओं से संबद्ध सभी विषय जिसका विभाग से संबंध हो,

## 1.7 पशु स्वास्थ्य रक्षा एवं संवर्धन

- 1.7.1** पशु स्वास्थ्य रक्षा हेतु विभाग द्वारा राज्य स्तरीय पशु चिकित्सालय, संभागीय पॉलीक्लिनिक, जिला/ विकासखण्ड/ ग्राम स्तरीय पशु चिकित्सालय, पशु औषधालय, चल चिकित्सा इकाई, चल विरुजालय, स्टेट पेटर्न कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र, स्टेट पेटर्न कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र, मुख्य ग्राम खण्ड योजना, ख्य ग्राम खण्ड इकाई, रोग अनुसंधान प्रयोगशालाएं एवं टीकाद्रव्य उत्पादन हेतु पशु स्वास्थ्य एवं जैविक उत्पादन संस्थान महुँ जिला इन्दौर में संचालित है। पशुओं की स्वास्थ्य रक्षा पशु उपचार, औषधि वितरण, टीकाकरण, नमूनों की जांच आदि से की जाती है। पशुओं का उपचार न केवल पशु चिकित्सालयों व पशु औषधालयों में किया जाता है बल्कि चल पशु चिकित्सा इकाई/ विरुजालय व पशु चिकित्सा शिविरों का आयोजन करके भी किया जाता है।
- 1.7.2** संक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु समसामयिक टीकाकरण किया जाता है। टीकाकरण हेतु जिला स्तर पर निम्नानुसार विन्दुओं पर ब्लू प्रिंट तैयार किए जाते हैं:-
- 1.7.2.1** ऐसे ग्रामों की 5 किलोमीटर की परिधि में आने वाले ग्रामों के समस्त पशु जहाँ गत तीन वर्षों में किसी संक्रामक रोग का उद्भेद हुआ हो।
- 1.7.2.2** ग्वारियों में जाने वाले पशु।
- 1.7.2.3** प्रदेश के बाहर आवागमन मार्गों से आने-जाने वाले पशु।
- 1.7.2.4** पशु बाजार में बाहर से आने वाले पशु।
- 1.7.2.5** वन क्षेत्र की सीमा में आने वाले ग्रामों के पशु।
- 1.7.3** संक्रामक रोगों में मुंहपका खुरपका रोग(एफ.एम.डी), एकटंगिया अथवा चुरकारोग (बी.क्यू), गलघोंटू अथवा घटसर्प रोग (एच.एस.) छड़ (एंथ्रेक्स), पी.पी.आर. स्वाईन फीवर, एंट्रोटीक्समिया, रैबीज, रानीखेत (कुक्कुट), फाउलपॉक्स (कुक्कुट), स्पाईरोकीटोसिस (कुक्कुट), मैरेक्स (कुक्कुट), गंबोरो (कुक्कुट) का टीकाकरण किया जाता है।
- 1.7.4** प्रदेश में पशु संसर्गजन्य रोगों (contagious) के रोकथाम हेतु पशु स्वास्थ्य एवं जैविकउत्पादन संस्थान महुँ जिला इन्दौर में चार प्रकार के जीवाणु टीकों, दो प्रकार के टिशू कल्चर (विषाणु) टीकों सहित कुल 12 प्रकार के टीके तथा तीन प्रकार के टीका घोलकों का उत्पादन किया जाता है। मुंहपका खुरपका व पी.पी. आर. रोग को छोड़कर समस्त संक्रामक रोगों के टीकाद्रव्य का उत्पादन इस संस्थान में किया जाता है।
- 1.7.5** यह संस्थान प्रदेश में टीकाद्रव्य की आवश्यकता की पूर्ति करता है साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य को भी आवश्यकतानुसार टीकाद्रव्य प्रदाय किया जाता है एवं विशेष परिस्थितियों में देश के अन्य राज्यों को भी टीकाद्रव्य उपलब्ध कराया जाता है।



## 1.8 मध्यप्रदेश पशुधन विकास नीति

प्रदेश की कृषि क्षेत्रक गतिविधियों के विकास एवं गरीबी उन्मूलन में पशुपालन के महत्व के दृष्टिगत पशुपालन विभाग द्वारा मध्यप्रदेश पशुधन विकास नीति 2011

तैयार की गई है। पशुधन विकास नीति की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं

- 1.8.1 विभिन्न पशुधन विकास एवं उत्पादकता वृद्धि कार्यक्रमों के लिए एक समान रणनीति न अपनाते हुए कृषि जलवायु तथा आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियों पर आधारित कार्यक्रम बनाए जाने पर विशेष ध्यान दिया गया है।
- 1.8.2 लघु एवं संसाधन विहीन पशुपालकों को पशुधन उत्पादन वृद्धि में होने वाली कठिनाईयों को दूर करने के उद्देश्य से कम लागत मूल्य पर अधिकाधिक संसाधन उपलब्ध कराए जाने के प्रयास किए गए हैं।
- 1.8.3 पशुधन विकास कार्यक्रमों का वातावरण में प्रभाव, समान अवसर, महिलाओं को सीधा लाभ तथा स्थिरता जैसे मुद्दों को भी नीति में समाहित किया गया है।
- 1.8.4 पशुधन क्षेत्र की बढ़ती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु संस्थागत संरचना एवं प्रक्रियाओं पर विशेष ध्यान देते हुए विभागीय अमले की दक्षता उन्नयन संबंधित विषयों को भी शामिल किया गया है।
- 1.8.5 पशुधन विकास नीति में सार्वजनिक/निजी/किसान/गैर सरकारी संस्थाओं की साझेदारी को प्रोत्साहन दिए जाने पर बल दिया गया है।
- 1.8.6 पशुधन उत्पादन एवं उत्पादकता वृद्धि कार्यक्रमों के विस्तार एवं क्रियान्वयन हेतु गैर सरकारी संस्थाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं लोक निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने की ओर विशेष ध्यान दिया गया है।
- 1.8.7 विभिन्न कार्यक्रमों के अग्रगामी एवं पश्चगामी जुड़ावों का ध्यान भी नीति में रखा गया है ताकि पशुधन उत्पादों के संकलन, प्रसंस्करण एवं उनका लाभात्मक विपणन सुनिश्चित किया जा सके।
- 1.8.8 पशुधन विकास नीति गतिमान स्वरूप की होने के फलस्वरूप समय-समय पर पशुपालन के क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन के अनुरूप शिथिलता समाहित किए हुए है।

## 1.9 नस्ल सुधार

प्रदेश में उपलब्ध पशुओं में मुख्यतः अवर्णित नस्ल के पशु अधिक संख्या में पाए जाते हैं। इन पशुओं की उत्पादक क्षमता बहुत कम है इनकी उत्पादक क्षमता में वृद्धि के लिए प्रदेश में नस्ल सुधार कार्यक्रम संचालित हैं। इस कार्यक्रम के तहत कृत्रिम गर्भाधान एवं प्राकृतिक गर्भाधान द्वारा नस्ल सुधार किया जाता है। प्राकृतिक गर्भाधान में उच्च कोटि के सांडों से मादा पशुओं में प्राकृतिक गर्भाधान कराकर नस्ल सुधार किया जा रहा है। इसी प्रकार कृत्रिम गर्भाधान में उन्नत नस्ल के सांडों के वीर्य से कृत्रिम विधि द्वारा मादा पशुओं में गर्भाधान कराकर नस्ल सुधार किया जा रहा है। प्रदेश में 19वीं पशु संगणना 2012 के अनुसार उपलब्ध 109.05 लाख प्रजनन योग्य मादा पशुओं हेतु नस्ल सुधार कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

## 1.9.1 प्रदेश के देशी वर्णित पशुधन

- 1.9.1.1 मालवा क्षेत्र के शाजापुर, देवास, इन्दौर, उज्जैन व राजगढ़ जिलों में मालवी नस्ल के गौवंशीय पशु अपनी भारवाहक क्षमता के लिए प्रसिद्ध हैं।
- 1.9.1.2 इसी प्रकार निमाड़ क्षेत्र के खरगौन, बड़वानी जिलों में निमाड़ी नस्ल के गौवंशीय पशु अपनी भारवाहक क्षमता के लिए पहचाने जाते हैं।
- 1.9.1.3 टीकमगढ़ व पन्ना क्षेत्र में केनकथा नस्ल के गौवंशीय पशु अपनी भारवाहक क्षमता के लिए प्रसिद्ध हैं।
- 1.9.1.4 भैंस वंश में भदावरी उत्तरी मध्यप्रदेश के भिण्ड जिले में पाई जाती है जो कि दुग्ध उत्पादन हेतु तुलनात्मक दृष्टि से अच्छी है।
- 1.9.1.5 मध्यप्रदेश के झाबुआ तथा धार जिले में प्रदेश की महत्वपूर्ण ख्याति प्राप्त कुक्कुट नस्ल कड़कनाथ पाई जाती है। इसके संरक्षण तथा संवर्धन हेतु विभाग में कड़कनाथ प्रक्षेत्र झाबुआ में संचालित है।

## 1.9.2 पशु प्रजनन नीति

### 1.9.2.1 गौवंशीय पशु प्रजनन नीति

प्रदेश के गौ-वंशीय पशुओं के प्रजनन के लिए निम्नलिखित मापदण्ड निर्धारित किए गए हैं:-

- (i) स्थानीयगौ-नस्ल के संरक्षण हेतु नस्ल के ब्रीडिंग ट्रेक्ट्स के शाजापुर, उज्जैन, राजगढ़ जिले में मालवी नस्ल से, निमाड़ क्षेत्र के खरगौन, बड़वानी जिलों में निमाड़ी नस्ल से एवं बुन्देलखण्ड क्षेत्र के जिला पन्ना व छतरपुर जिले की लौड़ी तहसील में केनकथा नस्ल से चयनित प्रजनन।
- (ii) ग्रामीण क्षेत्र में क्षेत्र विशेष अनुसार स्थानीय अवर्णित नस्लों का देशी वर्णित नस्ल से उन्नयन। मुख्यतः गिर, साहीवाल,थारपारकर व हरियाणा नस्ल से।
- (iii) शहरी, अर्द्धशहरी, मिल्कशेड व औद्योगिक क्षेत्र में जर्सी व हॉलिस्टिन फ्रीजियन से संकर प्रजनन। सामान्यतः विदेशी रक्त (Exotic Blood Level) का स्तर 50 प्रतिशत तक एवं प्रगतिशील पशुपालकों की इच्छानुसार विदेशी रक्त का स्तर 62.5 प्रतिशत तक।

उपरोक्त मापदण्ड अनुसार प्रजनन नीति के क्रियान्वयन हेतु प्रदेश को निम्नलिखित सात जोन में विभाजित किया गया है—

### (i) जोन I उत्तरीय नदी घाटी

इस जोन के अन्तर्गत भिण्ड, मुरैना, ग्वालियर तथा दतिया का अल्प भाग आता है एवं इस जोन में हरियाणा नस्ल की तरह व श्रेणीकृत द्विउद्देशीय गौवंशीय पशु पाए जाते हैं। साधारणतः ये पशु आंशिक स्टाल फीडिंग प्रणाली में पाले जाते हैं। इस क्षेत्र की कृषि जलवायु स्थिति हरियाणा नस्ल के होम ट्रेक्ट से मिलती जुलती है, अतः इस जोन के ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाणा नस्ल से उन्नयन किया जाएगा। पशुपालकों की मांग पर शहरी एवं अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में विदेशी नस्ल से संकर प्रजनन भी किया जा सकता है।

### (ii) जोन II लैट्रैटिक बेल्ट आफ शिवपुरी

इस जोन के अन्तर्गत शिवपुरी जिला एवं गुना का उत्तरी हिस्सा आता है एवं इस क्षेत्र के गौवंशीय पशु सामान्यतः गहरे लाल रंग के औसत कद काठी के हैं जो कृषि कार्य

के लिए उपयुक्त हैं किन्तु इनका दुग्ध उत्पादन कम है। अतः इस जोन के ग्रामीण क्षेत्रों में देशी वर्णित नस्ल जैसे हरियाणा, थारपारकर से उन्नयन किया जाएगा। चूँकि शिवपुरी जिला मिल्क शेड में आता है, इसलिए शहरी एवं अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में जर्सी नस्ल से संकर प्रजनन अनुशंसित है।

### (iii) जोन III मालवा का पठार

इस जोन के अन्तर्गत राजगढ़, शाजापुर, उज्जैन, रतलाम, इंदौर, देवास, गुना, विदिशा, रायसेन, सीहोर, धार, उत्तरी झाबुआ, मंदसौर एवं नीमच जिले आते हैं एवं इस क्षेत्र में मुख्य रूप से द्विउद्देशीय गाय की मालवी नस्ल पाई जाती है। इस जोन के अन्तर्गत उज्जैन जिले की महिदपुर तहसील, राजगढ़ जिले की खिलचीपुर, जीरापुर तहसील एवं आगर व शाजापुर जिले की आगर एवं शाजापुर तहसील में मालवी नस्ल से चयनित प्रजनन किया जाएगा एवं शेष ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों की मांग अनुसार मालवी एवं थारपारकर अथवा गिर नस्ल से उन्नयन तथा शहरी एवं अर्द्ध शहरी क्षेत्रों के मिल्क शेड क्षेत्र में विदेशी नस्ल जर्सी, एच. एफ. से संकर प्रजनन किया जाना लक्षित है।

### (iv) जोन IV निमाड़ी ट्रेक्ट

इस जोन के अन्तर्गत अलीराजपुर जिले की अलीराजपुर तहसील, धार जिले की कुक्षी व मनावर तहसील, जिला खरगोन, बड़वानी, खण्डवा, बुरहानपुर, हरदा जिले की हरदा तहसील तथा बैतूल जिले की भैंसदेही तहसील आती है। इस जोन में गाय की निमाड़ी नस्ल के पशु पाए जाते हैं जो एक भार वाहक नस्ल है। इस जोन के पश्चिम निमाड़-खरगोन व बड़वानी, जिलों में निमाड़ी नस्ल चयनित प्रजनन, पूर्वी निमाड़-खण्डवा, बुरहानपुर, जिले के ग्रामीण क्षेत्र में निमाड़ी नस्ल से चयनित प्रजनन तथा शेष शहरी व मिल्क शेड क्षेत्र में विदेशी नस्ल से संकर प्रजनन किया जाना लक्षित है।

### (v) जोन V पश्चिमी विंध्य पठार व नर्मदा घाटी

इस जोन के अन्तर्गत जिला जबलपुर, नरसिंहपुर, सागर, होशंगाबाद, दमोह जिले की दमोह तहसील, छिंदवाडा जिले की अमरवाडा तहसील तथा सिवनी जिला (कुरई विकास खण्ड छोड़कर) आता है एवं इस जोन क्षेत्र में अवर्णित नस्ल के देशी पशु पाए जाते हैं। प्रजनन नीति अनुसार जोन के ग्रामीण क्षेत्र में थारपारकर नस्ल से उन्नयन तथा मिल्क शेड व शहरी क्षेत्र में विदेशी नस्ल जर्सी, हॉलिस्टिन फ्रिजियन से संकर प्रजनन तथा छत्तीसगढ़ से जुड़े कुछ क्षेत्रों में साहीवाल नस्ल से उन्नयन किया जाना लक्षित है।

### (vi) जोन VI पूर्वी विंध्य पठार

इस जोन के अन्तर्गत दमोह जिले की हटा तहसील, जबलपुर की मुडवारा तहसील एवं जिला रीवा, सतना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ तथा सीधी जिले का उत्तरी क्षेत्र आते हैं एवं इस जोन की केन घाटी में पन्ना जिले की अजयगढ़ तहसील क्षेत्र केनकथा नस्ल का होम लैण्ड है। यह नस्ल प्रसिद्ध भारवाहक नस्ल है जो पहाड़ी क्षेत्र के लिए उपयुक्त है। केनकथा नस्ल के श्रेणीकृत पशु पन्ना जिले से जुड़े हुए छतरपुर के कुछ भागों में भी पाए जाते हैं। प्रजनन नीति अनुसार केन नदी घाटी के अजयगढ़ तहसील के साथ पन्ना में केनकथा नस्ल से चयनित प्रजनन, जोन के ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाणा नस्ल से उन्नयन तथा शहरी क्षेत्र में जर्सी हॉलिस्टिन फ्रिजियन नस्ल से संकर प्रजनन किया जाना लक्षित है।

## (vii) जोन VII पूर्वी सतपुडा का पठार

इस जोन के अन्तर्गत जिला बालाघाट एवं सिवनी जिले के लखनादोंन तहसील से पूर्वी क्षेत्र की ओर शहडोल, उमरिया, अनूपपुर जिले तक इस क्षेत्र में देशी अवर्णित नस्ल के पशु पाए जाते हैं। इस जोन के शहरी क्षेत्र में जर्सी हॉलिस्टिन फ्रीजियन से संकर प्रजनन तथा ग्रामीण क्षेत्र में थारपारकर एवं छत्तीसगढ राज्य से जुड़े क्षेत्र में साहीवाल नस्ल से उन्नयन किया जाना लक्षित है। इसी प्रकार महाराष्ट्र राज्य के वर्धा, नागपुर जिलों से जुड़े मध्यप्रदेश के छिंदवाडा, सिवनी, बालाघाट व बैतूल जिलों के चयनित पाकेट में गौलव नस्ल से उन्नयन किया जाना अनुशंसित है।

### 1.9.2.2 भैंस वंशीय पशु प्रजनन नीति

सामान्यतः प्रदेश में अवर्णित नस्ल के भैंस वंशीय पशु तथा ग्रेडेड मुर्गा पशु पाए जाते हैं। मात्र उत्तरी नदी घाटी के जिला भिण्ड में भदावरी व ग्रेडेड भदावरी भैंस वंशीय पशु पाए जाते हैं।

#### जोन I—

उत्तरी नदीघाटी के जिला भिण्ड एवं जिले से जुड़े ग्वालियर संभाग के जिलों के चयनित क्षेत्र में भदावरी नस्ल से उन्नयन।

#### जोन II—

मालवा का पठार एवं ब्रीडिंग जोन IV निमाड़ी ट्रेक्ट क्षेत्र के कुछ भाग—दक्षिण पूर्वी गुजरात से जुड़े शहरों के कुछ भाग में जाफरावादी नस्ल से उन्नयन। उपरोक्त के अतिरिक्त शेष रहे सम्पूर्ण प्रदेश में मुर्गा नस्ल से उन्नयन।

### 1.9.2.3 छोटे पशुओं की प्रजनन नीति

- (i) राज्य के उत्तरी क्षेत्र में बारबरी बकरों की नस्ल से उन्नयन तथा प्रदेश के शेष क्षेत्र में जमनापारी नस्ल से उन्नयन लक्षित है।
- (ii) कॉरीडेल, रेम्बोलेट की संकर भेड़ नस्ल से स्थानीय भेड़ों का उन्नयन लक्षित है।
- (iii) मिडिल व्हाइट यार्कशायर सूकर नस्ल से स्थानीय सूकरों का उन्नयन लक्षित है।

**तालिका 1.1**  
**प्रदेश में पशु स्वास्थ्य रक्षा एवं संवर्धन हेतु संचालित संस्थाएं**

क्रमांक	संस्था का नाम	संख्या
1	राज्य स्तरीय पशु चिकित्सालय	1
2	जिला स्तरीय पशु चिकित्सालय (पॉलीक्लीनिक)	50
3	पशु चिकित्सालय	1063
4	पशु औषधालय	1583
5	चल पशु चिकित्सा इकाई	38
6	चल विरुजालय	27
7	राज्य स्तरीय रोग अन्वेषण प्रयोगशाला	1
8	संभाग स्तरीय रोग अन्वेषण प्रयोगशाला	7
7	जिला स्तरीय रोग अन्वेषण प्रयोगशालाएं	34
8	मुंहखुरी रोगव्यापकी इकाई	1
9	पशु स्वास्थ्य एवं जैविक उत्पाद संस्थान	1
10	सीरम संस्थान	1
11	उप संचालक माता महामारी (राज्य स्तर)	1
12	पशु जांच चौकी	19
13	अनुगामी इकाई	10
14	सतर्कता इकाई	7
15	सघन टीकाकरण इकाई	7
16	रोग शमन दल	2
17	पशु निरोधस्थल (क्वारनटाइन स्टेशन)	1
18	फ्रोजन सीमेन बुल स्टेशन	1
19	फ्रोजन सीमेन बैंक	7
20	मुख्य ग्राम योजना	38
21	मुख्य ग्राम इकाई	380
22	नियंत्रित पशु प्रजनन कार्यक्रम	4
23	नियंत्रित पशु प्रजनन उपकेन्द्र (खिलचीपुर-50, खरगौन-25, अजयगढ़-25, डिण्डोरी-25)	125
24	स्टेट पैटर्न कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र	16
25	स्टेट पैटर्न कृत्रिम रेतन उपकेन्द्र	141
26	गहन पशु विकास परियोजना	17
27	गहन पशु विकास कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र	60
28	गहन पशु विकास कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र	904
29	कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण संस्थान	2
30	सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षण संस्थान	1
31	नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय	1
32	पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय	3
33	पशुपालन पत्रोपाधि महाविद्यालय	5

**तालिका 1.2**  
**पशु स्वास्थ्य रक्षा की विगत तीन वर्षों की जानकारी (लाख में)**

कं0	विवरण	2016-17	2017-18	2018-19 (माह मार्च तक)
1	पशु उपचार	145.88	144.64	152.46
2	औषधि वितरण	151.38	113.59	114.47
3	टीकाकरण	426.47	422.57	455.53

**तालिका 1.3**  
**पशु संवर्धन व उन्नत प्रजनन हेतु विगत तीन वर्षों की जानकारी (लाख में)**

कं0	विवरण	2016-17	2017-18	2018-19 (माह मार्च तक)
1	कृत्रिम गर्भाधान	28.23	26.90	31.03
2	कृत्रिम गर्भाधान से वत्सोत्पादन	9.42	9.61	10.57
3	प्राकृतिक गर्भाधान	5.62	6.01	6.78
4	प्राकृतिक गर्भाधान से वत्सोत्पादन	3.15	3.42	3.70
5	बधियाकरण	9.60	10.16	11.04

### 1.10 महत्वपूर्ण सांख्यिकीय

भारत विश्व के उन राष्ट्रों में से एक है जिनकी आर्थिकी पशुधन पर निर्भर है व सर्वाधिक गौ व भैंसवंश वाला राष्ट्र है। एकीकृत नमूना सर्वेक्षण के अनुमानित उत्पादनों के अनुसार वर्ष 2017-18 में देश में प्रदेश का दुग्ध उत्पादन में तीसरा, अण्डे उत्पादन में बारहवां एवं मांस उत्पादन में चौदहवां स्थान है।

### तालिका 1.4

19वीं पशु संगणना 2012 एवं 18वीं पशु संगणना 2007 की तुलनात्मक स्थिति

क्रमांक	विवरण	19वीं पशु संगणना 2012	18वीं पशु संगणना 2007	प्रतिशत वृद्धि / कमी
1	गौवंशीय पशु	1,96,02,366	2,19,15,438	-10.5
2	भैंस वंशीय पशु	81,87,989	91,29,152	-10.3
3	भेड़/भेड़ी	3,08,953	3,89,863	-20.8
4	बकरे/बकरियाँ	80,13,936	90,13,687	-11.1
5	घोड़े/घोड़ियाँ	18,803	27,191	-30.8
6	खच्चर	6,989	2,617	+167.1
7	गधे	14,916	20,199	-26.2
8	ऊँट	3,422	4,456	-23.2
9	सूअर	1,75,253	1,92,941	-9.2
	<b>कुल पशुधन</b>	<b>3,63,32,627</b>	<b>4,06,95,544</b>	<b>-10.7</b>
10	कुत्ते	4,33,367	—	
11	खरगोश	3,679	—	
	<b>कुल कुक्कुट</b>	<b>119,04,716</b>	<b>73,84,318</b>	<b>+61.2</b>

“स्रोत: भारत सरकार की 18वीं एवं 19वीं पशु संगणना

### तालिका 1.5

मध्यप्रदेश में केन्द्र प्रवर्तित योजना दूध,अण्डा एवं मांस उत्पाद के वर्षवार आँकड़े

क्रं	विवरण	वर्ष				
		2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18
1	दुग्धोत्पादन (000मै.टनमें)	9599	10779	12148	13445	14713
2	अण्डा उत्पादन (लाख में )	9671	11776	14414	16940	19422
3	मांस उत्पादन (000मै.टनमें)	48	59	70	79	89

स्रोत:- भारत सरकार की एकीकृत नमूना सर्वेक्षण योजना

## तालिका 1.6

मध्यप्रदेश में केन्द्र प्रवर्तित योजना दूध, अण्डा एवं मांस उत्पाद के वर्षवार अनुमानित प्रति व्यक्ति उपलब्धता

वर्ष	प्रति व्यक्ति प्रतिदिन दुग्ध उपलब्धता (ग्राम में)	प्रति व्यक्ति वार्षिक अंडा उपलब्धता (संख्या में)	प्रति व्यक्ति वार्षिक मांस उपलब्धता (ग्राम में)
2013-14	349	13	623
2014-15	386	15	765
2015-16	428	19	873
2016-17	468	22	964
2017-18	505	24	1076

### 1.11 विभाग द्वारा प्रसारित अधिनियम व नियम/ नीति :-

- (i) मध्यप्रदेश पशुधन सुधार अधिनियम, 1950
- (ii) मध्यप्रदेश कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम, 1959 (यथा संशोधित 2006)
- (iii) मध्यप्रदेश पशु (नियंत्रण) अधिनियम, 1976
- (iv) मध्यप्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास अधिनियम, 1982 (यथा संशोधित 1984)
- (v) मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 (यथा संशोधित 2010) नियम 2012
- (vi) मध्यप्रदेश पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 संशोधन अधिनियम 2012
- (vii) मध्यप्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद् नियम 1993
- (viii) मध्यप्रदेश गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड नियमावली 2006
- (ix) मध्यप्रदेश पशुधन विकास नीति 2011
- (x) पशुओं में संक्रामक एवं संसर्गजन्य रोगों के नियंत्रण एवं रोकथाम नियम 2015

### 1.12 भारत सरकार द्वारा प्रसारित नियम व अधिनियम प्रदेश में लागू

1.12.1 पशु कूरता निवारण अधिनियम, 1960

1.12.2 भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1984

1.12.3 पशुओं के संक्रामक एवं संसर्गजन्य रोगों के रोकथाम अधिनियम



## भाग-दो

### बजट विहंगावलोकन एवं बजट प्रावधान व व्यय (योजनावार)

#### 2.1 आयोजनेत्तर बजट एवं व्यय

(राशि ` लाख में)

वर्ष	स्वीकृत प्रावधान		व्यय	
	मांगसंख्या-14	मांगसंख्या-74	मांगसंख्या-14	मांग संख्या-74
2016-17	53912.54	356.35	46457.09	317.84

#### 2.2 आयोजना बजट एवं व्यय

(राशि ` लाख में)

वित्तीय वर्ष 2016-17			
क्र.	योजना शीर्ष	प्रावधान	व्यय
1.	मांग संख्या 14-पशुपालन	25240.02	17731.79
2.	मांग संख्या 74-त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय सहायता	1389.27	1381.03
3.	मांग संख्या 52-आदिवासी क्षेत्र उपयोजना के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय सहायता	200.00	196.60
4.	मांग संख्या 41- आदिवासी क्षेत्र उपयोजना	11130.56	9647.33
5.	मांग संख्या 64-अनुसूचित जाति उपयोजना	7489.69	5391.50
6.	मांग संख्या 57-जल संसाधन विभागों से संबंधित विदेशों से सहायता प्राप्त परियोजनाएं	0.02	0.00
7.	मांग संख्या 61-बुन्देलखंड पैकेज से संबंधित व्यय	5082.00	5041.09
<b>योग</b>		<b>50531.56</b>	<b>39389.34</b>

### 2.3 बजट एवं व्यय (आयोजना+ आयोजनेत्तर)

वित्तीय वर्ष 2017-18		(राशि ` लाख में)	
क्रं	योजना शीर्ष	प्रावधान	व्यय
1	मांग संख्या 14-पशुपालन	99744.69	76677.92
2	मांग संख्या 53-त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय सहायता	2655.62	2484.10
3	मांग संख्या 61-बुन्देलखंड पैकेज से संबंधित व्यय	798.00	798.00
<b>योग</b>		<b>103198.31</b>	<b>79960.02</b>

### 2.4 बजट एवं व्यय (आयोजना+ आयोजनेत्तर)

वित्तीय वर्ष 2018-19		(राशि ` लाख में)	
क्रं	योजना शीर्ष	प्रावधान	व्यय ( मार्च 2019 तक)
1	मांग संख्या 14-पशुपालन	101102.54	86022.63
2	मांग संख्या 53-त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय सहायता	2921.35	2262.70
3	मांग संख्या 61-बुन्देलखंड पैकेज से संबंधित व्यय	205.71	185.14
<b>योग</b>		<b>104229.60</b>	<b>88470.47</b>

## भाग-तीन

### राज्य योजनाएं तथा केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं

#### 3.1 हितग्राही मूलक योजनाएं

राज्य की हितग्राहीमूलक योजनाएं निम्नानुसार हैं :

##### 3.1.1 आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना

यह योजना सभी वर्ग के हितग्राहियों के लिए है। इस योजना का उद्देश्य दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, हितग्राहियों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाना, पशुओं की दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि तथा रोजगार के अवसर प्रदान करना है।

योजनान्तर्गत पशुपालक न्यूनतम 5या इससे अधिक पशु की योजना स्वीकृत करा सकेगा तथा परियोजना की अधिकतम सीमा राशि ` 10 लाख तक होगी। परियोजना लागत का 75% राशि बैंक ऋण के माध्यम से प्राप्त करनी होगी तथा शेष राशि की व्यवस्था मार्जिन मनी सहायता एवं हितग्राही का स्वयं के अंशदान के रूप में करनी होगी। इकाई लागत के 75% पर या हितग्राही द्वारा बैंक से प्राप्त ऋण पर जो भी कम हो 5% वार्षिक व्याज की दर से (अधिकतम राशि ` 25000 प्रतिवर्ष) ब्याज की प्रतिपूर्ति 7 वर्षों तक विभाग द्वारा की जाएगी। 5% से अधिक शेष ब्याज दर पर ब्याज की प्रतिपूर्ति हितग्राही को स्वयं करनी होगी। मार्जिनमनी सहायता सामान्य वर्ग हेतु परियोजना लागत का 25%, अधिकतम राशि ` 1.50 लाख तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति हेतु परियोजना लागत का 33% , अधिकतम राशि ` 2 लाख।

##### 3.1.2 बड़े पशुओं का उत्प्रेरण

###### 3.1.2.1 नन्दीशाला योजना

योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की स्थानीय अवर्णित गौवंशीय पशुओं की नस्ल सुधार हेतु देशी वर्णित नस्ल के सांडों का प्राकृतिक गर्भाधान सेवाएं हेतु पशुपालकों को अनुदान आधार पर प्रदाय करना है। योजना प्रदेश के सामान्य, आदिवासी, विशेष घटक के लिए है। योजना ग्राम पंचायत स्तर पर प्रगतिशील पशुपालकों को अनुदान के आधार पर वर्णित नस्ल गौ-सांड यथा साहीवाल, थारपारकर, हरियाणा, गिर, गौलव,मालवी,निमाड़ी, केनकथा आदि प्रदाय किए जाते हैं। प्रदेश के बाहर की नस्ल के देशी वर्णित गौ सांड हेतु योजना की इकाई लागत का मूल्य (परिवहन एवं प्रदायित सांड के प्रथम 60दिवस के लिए पशु आहार सहित) राशि ` 25720 है जिसमें प्रति इकाई अनुदान 75% तथा हितग्राही अंशदान 25% निर्धारित है। तथा प्रदेश की नस्ल के गौसांड हेतु इकाई लागत राशि `18260 है जिसमें प्रति इकाई अनुदान 75% तथा हितग्राही अंशदान 25% निर्धारित है।

###### 3.1.2.2 समुन्नत पशु प्रजनन कार्यक्रम (मुर्दा पाड़ा प्रदाय योजना)

योजना का उद्देश्य भैंसों में नस्ल सुधार करना है। ऐसे क्षेत्र जहां कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा उपलब्ध नहीं है वहां नस्ल सुधार हेतु उन्नत नस्ल के मुर्दा पाड़े प्रदाय कर भैंसों में प्राकृतिक गर्भाधान की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु योजना प्रारम्भ की गई है। योजना प्रगतिशील पशुपालकों, प्रशिक्षित गौसेवक एवं सभी वर्ग के लिए मध्य प्रदेश के सभी जिलों में संचालित है। इस योजना की इकाई लागत राशि ` 45000 है जिसमें सभी वर्गों को 75 प्रतिशत अनुदान एवं 25 प्रतिशत हितग्राही अंशदान का प्रावधान है।

### 3.1.3 छोटे पशुओं का उत्प्रेरण

#### 3.1.3.1 बैक ऋण एवं अनुदान पर बकरी इकाई

प्रदेश के सभी जिलों में बैक ऋण एवं अनुदान पर बकरी इकाई प्रदाय योजना संचालित है। योजना का उद्देश्य देशी बकरियों में नस्ल सुधार लाना, हितग्राहियों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाना, तथा मांस एवं दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करना है। योजनान्तर्गत 10 बकरी एवं 1 बकरे की इकाई प्रदाय की जाती है। योजना की लागत राशि ₹77456 है। योजना अन्तर्गत अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लिए 50 प्रतिशत अनुदान तथा सामान्य वर्ग के लिए 40 प्रतिशत अनुदान एवं 10 प्रतिशत अंशदान व शेष बैक ऋण का प्रावधान है।

#### 3.1.3.2 अनुदान पर नर बकरा प्रदाय

अनुदान पर बकरा प्रदाय योजना का उद्देश्य देशी बकरियों में नस्ल सुधार लाना, हितग्राहियों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाना, मांस तथा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करना है। यह योजना सभी वर्ग के बकरी पालकों के लिए है। योजना की इकाई लागत राशि ₹8300 है जिसमें बकरे का मूल्य के साथ बीमा, टीकाकरण, मिनरल मिक्चर एवं कृमिनाशक सम्मिलित है। उन्नत नस्ल का नर बकरा सभी वर्ग के बकरी पालकों को 75 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया जाता है।

#### 3.1.3.3 अनुदान पर नर सूकर प्रदाय

अनुदान पर नर सूकर योजना का उद्देश्य देशी/स्थानीय सूकरों की नस्ल में सुधार लाकर हितग्राहियों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाना, तथा मांस उत्पादन में वृद्धि करना है। इस योजना की इकाई लागत राशि ₹5000 है जिसमें केवल अनुसूचित जाति के सूकर पालक को उन्नत नस्ल का एक नर सूकर 75 प्रतिशत अनुदान पर प्रदाय किया जाता है।

#### 3.1.3.4 अनुदान पर सूकर त्रयी प्रदाय

अनुदान पर सूकर त्रयी योजना का उद्देश्य देशी/स्थानीय सूकरों की नस्ल में सुधार लाकर हितग्राहियों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाना एवं मांस उत्पादन में वृद्धि करना है। योजना की इकाई लागत राशि ₹15000 है जिसमें केवल अनुसूचित जनजाति के सूकर पालक को उन्नत नस्ल का एक नर सूकर एवं दो मादा सूकर 75 प्रतिशत अनुदान पर प्रदाय किया जाता है।

#### 3.1.3.5 अनुदान पर बैकयार्ड कुक्कुट इकाई

अनुदान पर बैकयार्ड कुक्कुट इकाई योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों में पोषण स्तर में सुधार लाने तथा अतिरिक्त आय के स्रोत उपलब्ध कराना है। योजना में बिना लिंग भेद वाले 28 दिवसीय 40 लो इनपुट टेक्नोलॉजी के चूजे, औषधि व परिवहन व्यय सम्मिलित है। इस योजना की इकाई लागत राशि ₹2225 है जिसमें अनुदान 75 प्रतिशत राशि ₹1668 तथा हितग्राही अंशदान 25 प्रतिशत राशि ₹557 है। यह योजना प्रदेश के समस्त जिलों में संचालित की जा रही है।

### 3.1.3.6 अनुदान पर कड़कनाथ चूजों का प्रदाय



योजनान्तर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को कुक्कुट पालन के माध्यम से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने तथा कड़कनाथ नस्ल के संरक्षण के साथ-साथ उनका पोषण स्तर बढ़ाने के उद्देश्य से हितग्राहियों को बिना लिंग भेद के 28 दिवसीय 40 कड़कनाथ चूजे, खाद्यान्न व औषधि, परिवहन व्यय सहित प्रदाय किए जाते हैं। योजना की इकाई लागत राशि ` 4400 है जिसमें 75 प्रतिशत अनुदान राशि ` 3300 तथा हितग्राही अंशदान 25 प्रतिशत राशि ` 1100 है। यह योजना प्रदेश के समस्त जिलों में संचालित की जा रही है।

### 3.1.4 वत्सपालन प्रोत्साहन योजना

योजना का उद्देश्य प्रदेश में भारतीय देशी नस्ल के गौवंश को बढ़ावा देने के लिए पशुपालकों को प्रोत्साहित करना एवं उनके पास उपलब्ध उच्च अनुवांशिक गुणों वाले वत्सों का संरक्षण एवं संवर्धन करना है। योजना में ऐसे पशु पालक जिनके पास भारतीय देशी उन्नत नस्ल की गाय है तथा जिनका दुग्ध उत्पादन उस नस्ल के पशुओं के औसत दुग्ध उत्पादन से 30 प्रतिशत अधिक है एवं उसका वत्स उच्च आनुवांशिक क्षमता वाले भारतीय नस्ल के सांड के वीर्य से कृत्रिम गर्भाधान अथवा प्राकृतिक गर्भाधान द्वारा पैदा हुआ है। ऐसी गायों के पशुपालकों को प्रोत्साहित करने के लिए राशि ` 5,000 एवं उनके वत्सों के संरक्षण हेतु राशि ` 500 प्रतिमाह पशु आहार/औषधी के रूप में 0-4 माह की उम्र से दो वर्षों तक अनुदान के रूप में प्रदाय की जाती है। इस प्रकार योजना की इकाई लागत राशि ` 17000 है इस योजना में नर एवं मादा दोनों प्रकार के वत्स लाभान्वित हो सकेंगे।

### 3.1.5 गौसेवक प्रशिक्षण योजना

योजना का मुख्य उद्देश्य शिक्षित बेरोजगार ग्रामीण युवकों को स्वरोजगार हेतु सक्षम बनाना एवं सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक पशु चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना है। योजनान्तर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में 10वीं उत्तीर्ण एक स्थानीय बेरोजगार युवक को छः माह का प्रशिक्षण

दिया जाता है। प्रशिक्षित गौसेवक अपने ग्राम पंचायत क्षेत्र में पशुओं को प्राथमिक उपचार प्रदान कर स्वरोजगार स्थापित करते हैं।

बारहवीं पंचवर्षीय योजनान्तर्गत प्रशिक्षण हेतु राशि ` 1000 प्रति माह के मान से छः माह हेतु राशि ` 6000 स्टायपेन्ड एवं राशि ` 1200 की किट, इस प्रकार कुल राशि ` 7200 प्रति गौसेवक का प्रावधान है। वर्ष 2018-19 में मार्च तक 23048 गौसेवकों को प्रशिक्षित किया गया।

### 3.1.6 गोपाल पुरस्कार योजना

गोपाल पुरस्कार योजना अन्तर्गत देशी नस्ल के पशुपालन को बढ़ावा देने एवं अधिक दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु गौवंशीय पशुओं के साथ साथ भैंसवंशीय दुधारु पशुओं को भी प्रतियोगिता में सम्मिलित कर योजना संचालित की गई है। योजना से देशी नस्ल के दुधारु पशुओं के पालन को प्रोत्साहन, गायों एवं भैंसों के दुग्ध उत्पादन में वृद्धि को प्रोत्साहन एवं पशुपालकों को अतिरिक्त आय का साधन प्राप्त होता है।

#### 3.1.6.1 योजना का स्वरूप

योजना सभी वर्ग के पशुपालकों के लिए है जिनके पास भारतीय नस्ल की गाय और/या भैंस उपलब्ध हो तथा गाय का दुग्ध उत्पादन प्रतिदिन 4 लीटर या उससे अधिक एवं भैंस का दुग्ध उत्पादन प्रतिदिन 6 लीटर या उससे अधिक हो। योजना विकासखण्ड स्तर, जिला स्तर तथा राज्य स्तर पर संचालित की जाती है एवं इसमें विकासखण्ड स्तर पर प्रथम,द्वितीय,तृतीय पुरस्कार एवं जिला एवं राज्य स्तर पर प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार तथा 7 सांत्वना पुरस्कार सम्मिलित किए गए हैं। गौवंशीय एवं भैंसवंशीय दुधारु पशुओं की प्रतियोगिताएं पृथक-पृथक आयोजित की जाती हैं एवं पुरस्कार भी पृथक-पृथक होते हैं।

### योजना अन्तर्गत पुरस्कार

क्रं	स्तर	पुरस्कार	पुरस्कार (राशि `) (गौवंशीय)	पुरस्कार (राशि `) (भैंसवंशीय)
1	विकासखण्ड स्तर	प्रथम पुरस्कार	10,000	10,000
		द्वितीय पुरस्कार	7,500	7,500
		तृतीय पुरस्कार	5,000	5,000
2	जिला स्तर	प्रथम पुरस्कार	50,000	50,000
		द्वितीय पुरस्कार	25,000	25,000
		तृतीय पुरस्कार	15,000	15,000
		सांत्वना पुरस्कार (7पुरस्कार)	5,000 (प्रति पुरस्कार)	5,000 (प्रति पुरस्कार)
3	राज्य स्तर	प्रथम पुरस्कार	2,00,000	2,00,000
		द्वितीय पुरस्कार	1,00,000	1,00,000
		तृतीय पुरस्कार	50,000	50,000
		सांत्वना पुरस्कार (7पुरस्कार)	10,000 (प्रति पुरस्कार)	10,000 (प्रति पुरस्कार)

### 3.1.7 आचार्य विद्या सागर जीव दया (गौसेवा) सम्मान योजना

#### 3.1.7.1 योजना का उद्देश्य

गौसेवा, गौ संरक्षण एवं जीव दया आदि के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थानों को प्रोत्साहन एवं सम्मान प्रदान करने हेतु वर्ष 2017-18 से आचार्य श्री विद्या सागर जीव दया (गौसेवा) सम्मान योजना, नवीन योजना के रूप में संचालित की गई है। योजना अन्तर्गत संस्थागत श्रेणी एवं व्यक्तिगत श्रेणी के पुरस्कार सम्मिलित किए गए हैं। योजना वर्ष में एक बार क्रियान्वित की जाती है।

#### 3.1.7.2 योजनान्तर्गत चयन प्रक्रिया एवं पुरस्कार वितरण

जिले के उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं द्वारा योजना के मापदण्ड अनुसार पात्र व्यक्तियों एवं संस्थानों से प्राप्त आवेदन जिला गोपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति के समक्ष प्रस्तुत किए जाते हैं। प्राप्त आवेदनों में से पात्र संस्थाओं एवं व्यक्तियों का चयन कर समिति द्वारा अनुशंसा कर प्रस्ताव मध्यप्रदेश गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड की ओर प्रेषित किए जाते हैं।

**3.1.7.3** मध्यप्रदेश जिला गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड की राज्य स्तरीय समिति जिलों से प्राप्त प्रस्तावों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों एवं व्यक्तियों का संस्थागत श्रेणी एवं व्यक्तिगत श्रेणी के पुरस्कार हेतु चयन किया जाता है।

#### (अ) संस्थागत श्रेणी अन्तर्गत पुरस्कार

क्रं	पुरस्कार	पुरस्कार (राशि ` लाख में)
1.	प्रथम पुरस्कार	5.00
2.	द्वितीय पुरस्कार	3.00
3.	तृतीय पुरस्कार	2.00
4.	सांत्वना पुरस्कार (कुल 4) (` 50000 प्रति)	2.00

#### (ब) व्यक्तिगत श्रेणी अन्तर्गत पुरस्कार

क्रं	पुरस्कार	पुरस्कार (राशि ` लाख में)
1.	प्रथम पुरस्कार	1.00
2.	द्वितीय पुरस्कार	0.50
3.	तृतीय पुरस्कार	0.20

**तालिका 3.1**  
**हितग्राहीमूलक योजना के अन्तर्गत विगत तीन वर्षों की वित्तीय उपलब्धि**  
**(राशि ` लाख में)**

		वर्ष					
क्रं	योजना का नाम	2016-17		2017-18		2018-19	
		प्राप्त	व्यय	प्राप्त	व्यय	प्राप्त	व्यय (माह मार्च 2019 तक)
1	वत्सपालन प्रोत्साहन योजना	641.62	605.88	780.64	518.95	859.00	—
2	अनुदान पर सांड (मुर्दा पाड़ा) प्रदाय	781.92	781.92	885.96	825.48	975.00	—
3	नन्दीशाला योजना	384.56	384.56	545.00	526.53	602.00	—
4	अनुदान पर नर बकरा प्रदाय	363.27	363.27	249.46	249.00	254.00	204.18
5	बैंक ऋण एवं अनुदान पर बकरी इकाई का प्रदाय	229.07	229.07	514.11	502.11	710.00	709.00
6	अनुदान पर सूकर त्रयी/नर सूकर का प्रदाय	54.26	54.26	53.62	53.62	56.99	34.05
7	अनुदान पर बैकयार्ड कुक्कुट इकाई का प्रदाय	107.12	102.30	154.99	154.99	127.01	127.01
8	अनुदान पर कड़कनाथ चूजों का प्रदाय	42.52	39.35	86.23	86.23	127.05	127.05
9	आचार्य विद्या सागर गौसंवर्धन योजना	2021.00	2021.00	2715.00	2715.00	2900.00	2600.00



**तालिका 3.2**  
**हितग्राहीमूलक कार्यक्रम के अन्तर्गत विगत तीन वर्षों की भौतिक उपलब्धि**

वर्ष							
क्र०	योजना का नाम	2016-2017		2017-2018		2018-2019	
		लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति (माह मार्च 2019 तक)
1	वत्सपालन प्रोत्साहन योजना	3773	3564	4370	4316	3598	—
2	अनुदान पर सांड (मुर्दा पाड़ा) प्रदाय	2172	2172	2460	2292	2887	—
3	नन्दीशाला योजना	1869	1869	2650	2559	3120	—
4	अनुदान पर नर बकरा प्रदाय	6014	6014	3757	3757	4070	3280
5	बैंक ऋण एवं अनुदान पर बकरी इकाई प्रदाय	864	864	2102	2040	1880	1825
6	अनुदान पर सूकर त्रयी / नर सूकर का प्रदाय	864	864	768	768	611	341
7	अनुदान पर बैकयार्ड कुक्कुट इकाई का प्रदाय	6014	5743	8708	8708	7610	6425
8	अनुदान पर कड़कनाथ चूजों का प्रदाय	1208	1118	2450	2450	3850	2750
9	आचार्य विद्या	1375	1375	1600	1600	1750	1365

सागर गौसंवर्धन योजना							
----------------------------	--	--	--	--	--	--	--

### 3.2 पशु चिकित्सा सेवाओं का विस्तार

योजनान्तर्गत 2 घटक संचालित है:

#### 3.2.1 पशु औषधालय का पशु चिकित्सालय में उन्नयन

योजना का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों को गुणवत्तायुक्त पशु चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने हेतु पशु औषधालयों का पशु चिकित्सालयों में उन्नयन किया जाता है योजना की इकाई लागत राशि ` 15.50 लाख है। जिसमें अधोसंरचना विकास हेतु राशि ` 8.60लाख, फर्नीचर हेतु राशि ` 0.25 लाख, उपकरण हेतु राशि ` 0.50लाख, औषधि प्रदाय हेतु राशि ` 0.25 लाख एवं वेतन-भत्ते हेतु राशि ` 5.90 लाख प्रावधानित है।

#### 3.2.2 नवीन पशु औषधालय की स्थापना

योजनान्तर्गत पशुपालकों को कम दूरी पर पशु चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने हेतु नवीन पशु औषधालय की स्थापना की जाती है। योजना की इकाई लागत राशि ` 9.12 लाख जिसमें अधोसंरचना विकास हेतु राशि ` 6.60 लाख, फर्नीचर हेतु राशि ` 0.20 लाख, उपकरण हेतु राशि ` 0.25 लाख, औषधि प्रदाय हेतु राशि ` 0.15 लाख एवं वेतन-भत्ते हेतु राशि ` 1.92 लाख प्रावधानित है।

### 3.3 पशु संजीवनी 1962

पशुपालकों को घर पहुँच पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु "पशु संजीवनी 1962" योजना प्रारम्भ की गई है। योजनान्तर्गत राज्य स्तरीय कॉल सेन्टर टॉल फ्री दूरभाष नम्बर "1962" के साथ स्थापित किया गया है। प्रदेश के समस्त 313 विकासखण्डों के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में कॉल सेन्टर पर प्राप्त सूचनाओं के आधार पर विभागीय अमले द्वारा निश्चित समयावधि में घर पहुँच पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उपरोक्त सुविधा अन्तर्गत पशुपालकों को कॉल करने पर घर पहुँच पशु चिकित्सा, कृत्रिम गर्भाधान सुविधा, विभागीय योजनाओं की जानकारी एवं पशुपालन संबंधित उन्नत तकनीकों के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है।

### 3.4 भ्रूण प्रत्यारोपण प्रयोगशाला की स्थापना

भ्रूण प्रत्यारोपण प्रयोगशाला वर्ष 2013 मार्च में प्रारम्भ की गई। राज्य शासन द्वारा आयोजना मद से 12वीं पंचवर्षीय योजना काल के लिए भ्रूण प्रत्यारोपण तकनीकी प्रयोगशाला भदभदा भोपाल की स्थापना हेतु कुल राशि ` 10.00 करोड़ की परियोजना स्वीकृत की गई थी। इस भ्रूण प्रत्यारोपण तकनीकी प्रयोगशाला की स्थापना का उद्देश्य उच्च अनुवांशकीय गुणवत्ता वाली गाय से उसके सम्पूर्ण प्रजनन काल में अधिक से अधिक संतति प्राप्त करना, अधिक उत्पादन वाले पशुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि कर दुग्ध उत्पादन बढ़ाना, केन्द्रीय वीर्य संस्थान के द्वारा गायों की नस्ल सुधार के लिए हिमीकृत वीर्य उत्पादन हेतु उच्च अनुवांशिक क्षमता के साड़ों का उत्पादन, गाय की देशी नस्लों का संरक्षण एवं संवर्धन, प्रजनन की चयन पद्धति से देशी दुधारु गायों की नस्ल साहीवाल एवं गिर नस्ल में उन्नयन कर दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि करना। इसके अतिरिक्त इस तकनीक द्वारा उच्च गुणवत्ता वाली डोनर गायों को

चयनित कर हारमोन्स की मदद से सुपर ओवूलेट किया जाता है तत्पश्चात उच्च अनुवांशिक क्षमता वाले सांड के हिमीकृत वीर्य द्वारा उसका गर्भाधान कराया जाता है। गर्भाधान के सातवें दिन गर्भाशय से भ्रूण निकाले जाकर रेशीपियंट गायों में प्रत्यारोपित कर दिए जाते हैं अथवा हिमीकृत कर सुरक्षित कर दिए जाते हैं। प्रयोगशाला पर वर्ष 2018–19 में 127 भ्रूण संकलित तथा 143 भ्रूण प्रत्यारोपित किए गए। तथा 62 वत्सों का उत्पादन हुआ।

### 3.5 पशु आश्रय स्थल आसरा

निराश्रित पशुओं को उपचार व आश्रय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पशु आश्रय स्थल आसरा भोपाल में “आसरा” के नाम से यह योजना प्रारम्भ की गई है।

#### आसरा के उद्देश्य

- (i) घायल बीमार निराश्रित पशु पक्षियों को प्रतिकूल वातावरण जैसे तेज धूप, गर्म हवा, बरसात से बचा कर सुरक्षित रखने की व्यवस्था एवं उनके खान-पान तथा उचित उपचार की व्यवस्था जब तक वे पूर्ण रूप से स्वस्थ न हो जाए।
- (ii) घायल पशु-पक्षियों को जंगली एवं हिंसक जानवरों से सुरक्षा कर आश्रय देना।
- (iii) उपयोगी बेसहारा पशु पक्षियों को पूर्णतः स्वस्थ होने के उपरान्त स्वयं सेवा संस्थाओं, इच्छुक पशु पालकों को उनकी स्वेच्छा से रखने की स्थिति में उन तक पहुँचना जिससे उनकी उपयोगिता सिद्ध हो सके।
- (iv) पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के अनुपालन में सहयोग करना।
- (v) एंटीरेबीज टीकाकरण कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार तथा सहयोग।
- (vi) जागरूकता शिविरों का आयोजन।
- (vii) बड़े पशुओं का टीकाकरण सुनिश्चित करने हेतु प्रोत्साहित करना।
- (viii) पशु-पक्षियों के कल्याण हेतु अन्य ऐसे सभी कार्यों को जो उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति कर सकें।
- (ix) पशु आश्रय स्थल की गतिविधियों का प्रचार-प्रसार करना।
- (x) छोटे पशु (श्वानों) के लिए जन्म नियंत्रण कार्यक्रम प्रोत्साहित करना साथ ही नगर निगम के सहयोग से श्वानों की नसबंदी एवं एंटीरेबीज का टीकाकरण भी किया जाता है, ताकि क्षेत्र को रैबीज रोग से मुक्त रखा जा सके।

### 3.6 पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय

प्रदेश में पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना 3नवम्बर 2009 को जबलपुर में की गई थी। इस विश्वविद्यालय अन्तर्गत पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर महू एवं रीवा आते हैं। कुक्कुट प्रक्षेत्र जबलपुर एवं वृषभ पालन केन्द्र आमनाला जबलपुर जो कि पहले पशुपालन विभाग के अन्तर्गत आते थे उन्हें पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय को हस्तान्तरित किया गया है। विश्वविद्यालय अन्तर्गत तीनों महाविद्यालयों में बी.व्ही.एस.सी एण्ड ए.एच की स्नातक डिग्री प्रदाय की जाती है तथा पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर एवं महू में एम.व्ही.एस.सी एण्ड ए.एच की स्नातकोत्तर डिग्री प्रदाय की जाती है। वर्ष 2011–12 से विश्वविद्यालय द्वारा जबलपुर महू, रीवा, भोपाल में तथा मुरैना में डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

### 3.7 केन्द्रीय प्रवर्तित योजनाएं

#### 3.7.1 राष्ट्रीय पशुधन मिशन ( National Live Stock Mission)

भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2014-15 में 7 केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं एवं 7 केन्द्रीय क्षेत्रीय योजनाओं को सम्मिलित कर आवश्यक संशोधन करते हुए राष्ट्रीय पशुधन मिशन (National Livestock Mission) बनाया गया है। भारत शासन द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देश एवं संयुक्त सचिव भारत सरकार पशुपालन डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग कृषि भवन नई दिल्ली के पत्र क्रमांक 2-47/2009-FF, दिनांक 06.06.2014 के अनुसार राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अन्तर्गत आवश्यक समितियों का गठन, गतिविधि क्रियान्वयन एवं आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन के उद्देश्य निम्नानुसार हैं-

- (i) कुक्कुट को सम्मिलित करते हुए पशुधन क्षेत्र का समग्र एवं स्थाई विकास।
- (ii) भौगोलिक आवश्यकता के अनुसार खाद्य, चारा बीज की मांग एवं पूर्ति के अन्तर में कमी करना, चारा उत्पादन का रकबा बढ़ाना, विस्तार कार्य एवं कटाई के बाद का प्रबन्धन करना तथा चारे की विविध जलवायु क्षेत्रों के अनुरूप प्रोसेसिंग करना।
- (iii) कृषकों की सक्रिय भागीदारी (कृषक सहकारिता, बीज निगम, एवं निजी क्षेत्र के उद्यमी को सम्मिलित करते हुए) प्रभावी चारा उत्पादन श्रृंखला के द्वारा गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं चारा बीज उत्पादन बढ़ाना।
- (iv) स्थाई एवं समग्र पशुधन विकास के लिए चल रही योजनाओं एवं उसके विभिन्न साझेदारों के बीच समन्वय एवं सहयोगिता बढ़ाना।
- (v) पशु पोषण एवं पशु उत्पादन के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में व्यवहारिक अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- (vi) पशुपालकों को गुणवत्तापूर्ण विस्तार सेवाएं प्रदान करने के लिए शासकीय कर्मचारियों एवं कृषकों को प्रशिक्षित करना।
- (vii) पशुधन की उत्पादकता बढ़ाने एवं उत्पादन लागत कम करने के लिए कौशल संवर्धन हेतु प्रशिक्षण एवं तकनीकी का कृषकों तक विस्तार करना।
- (viii) कृषक तथा कृषक समूह सहकारिता द्वारा देशी नस्लों के संरक्षण एवं जेनेटिक उन्नयन के पहल को बढ़ावा देना। (बोवाइन को छोड़कर)
- (ix) स्माल एवं मार्जिनल कृषकों एवं कृषकों व कृषक समूह तथा सहकारिता/ उत्पादन कम्पनियों के निर्माण को बढ़ावा देना।
- (x) पशुधन क्षेत्र से संबंधित मौलिक पायलट प्रोजेक्ट को बढ़ावा देना एवं सफल पायलट प्रोजेक्ट का विस्तार करना।
- (xi) कृषक के उद्यम की मार्केटिंग, प्रसंस्करण तथा मूल्य वृद्धि के लिए अधोसंरचना एवं रूप-रेखा तैयार करना।
- (xii) जोखिम प्रबंधन के उपायों को बढ़ावा देने के साथ कृषकों को पशुधन बीमा की सुविधा देना।
- (xiii) पशुओं में बीमारियों की रोकथाम को बढ़ावा देना, पर्यावरण प्रदूषण रोकना, खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता के प्रयासों को बढ़ावा देना। पशु शव का समय पर उपयोग करते हुए उत्तम गुणवत्ता का चमड़ा उपलब्ध कराने के प्रयासों को बढ़ावा देना।
- (xiv) पशुपालन गतिविधियों में सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना, नस्ल संरक्षण में समुदाय की सहभागिता को बढ़ावा देना एवं राज्य के संसाधनों को बढ़ाने के लिए रूप-रेखा तैयार करना।

उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु राष्ट्रीय पशुधन मिशन को चार उप-मिशन की

गतिविधियों के अनुसार संचालित किया जा रहा है—

1. उप-मिशन – पशुधन विकास
2. उप-मिशन – पूर्वोत्तर क्षेत्र में सूकर विकास
3. उप-मिशन – पशु खाद्य एवं चारा विकास
4. उप-मिशन – दक्षता संवर्धन, तकनीकी हस्तान्तरण एवं विस्तार

### 3.7.1.1 राष्ट्रीय पशुधन मिशन ग्रामीण बैकयार्ड कुक्कुट विकास योजना

भारत सरकार द्वारा गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले समस्त वर्गों के हितग्राहियों के लिए 100 प्रतिशत अनुदान पर यह योजना वर्ष 2010-11 से मध्यप्रदेश में प्रारम्भ की गई है। वर्ष 2016-17 से यह योजना 60 प्रतिशत केन्द्रांश व 40 प्रतिशत राज्यांश पर संचालित की जा रही है। योजना की इकाई लागत राशि ₹ 3,750 है।

योजनान्तर्गत प्रत्येक हितग्राही को बिना लिंग भेद के 4 सप्ताह के लो इनपुट टेक्नॉलोजी वाले 45 पक्षी दो चरणों में क्रमशः 25 व 20 चूजे 16 सप्ताह के अन्तराल से मदर यूनिट के माध्यम से प्रदाय किए जाते हैं। साथ ही पक्षियों के लिए दढ़बा बनाने हेतु राशि ₹ 1,500 दिए जाने का प्रावधान है जो सीधे हितग्राही के खाते में जमा किए जाते हैं।

एक मदर यूनिट से 300 हितग्राहियों को चूजे प्रदाय किए जाते हैं मदर यूनिट के हितग्राही को राशि ₹ 60,000 अनुदान दिए जाने का प्रावधान है जो सीधे उनके खाते में जमा किया जाता है। मदर यूनिट के हितग्राही को 4 सप्ताह के चूजों की राशि ₹ 50 प्रति चूजा का भुगतान उनके द्वारा चूजे बी.पी.एल. हितग्राहियों को प्रदाय उपरान्त जिले के उप संचालक द्वारा किया जाता है।

### 3.7.1.2 राष्ट्रीय पशुधन मिशन – अभिनव कुक्कुट उत्पादकता योजना

यह योजना वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुनी करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा गरीब तथा मध्यम किसानों को कुक्कुट पालन की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु ग्रामीण बैकयार्ड कुक्कुट विकास योजना के साथ ब्रायलर पालन तथा लो-इनपुट टेक्नॉलोजी के पक्षियों की बड़ी इकाई को शामिल किया गया है जिससे किसान लगातार कुक्कुट पालन करते हुए इसे आजीविका का साधन बना सके साथ ही आगामी वर्षों में यह उद्यमिता का रूप ले सके।

ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षित बेरोजगार युवकों को प्रोत्साहित करने हेतु भारत सरकार द्वारा कुक्कुट के दो मॉडल प्रस्तावित किए हैं जो निम्नानुसार हैं :

- 400 लो-इनपुट पक्षियों वाला मॉडल जिसमें 400 पक्षी 2 बैच में (200 प्रति बैच) 1.5 वर्ष के अन्तराल से प्रदाय किए जाएंगे।
- 600 ब्रायलर पक्षियों वाला मॉडल जिसमें 600 ब्रायलर पक्षी 4 बैच में (150 प्रति बैच) 3 माह के अन्तराल से प्रदाय किए जाएंगे।

### योजना का उद्देश्य

- राज्य में कुक्कुट उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि करना।
- कुक्कुट पालन को व्यवसाय के रूप में विकसित कर आजीविका का साधन बनाना।
- हाउसहोल्ड अण्डा उत्पादन बढ़ाना तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- हितग्राही को अतिरिक्त आय के साथ-साथ पोषण आहार उपलब्ध कराना।

दोनों ही मॉडल समूह में (clusture approach) किए जाएंगे जिससे इस उद्योग को सामाजिक रूप से करने में भी मदद मिलेगी। बायोसिक्योरिटी को दृष्टिगत रखते हुए दोनों मॉडल एक ही स्थान पर करना वर्जित है। योजना में backward and forward linkages जैसे समय पर हितग्राही को चूजे प्रदाय करना, स्वास्थ्य सेवा/टीकाकरण तथा विपणन इत्यादि की व्यवस्था किसी एजेन्सी /इन्टीग्रेटर इत्यादि से करवाने की जिम्मेदारी पशुपालन विभाग की होगी। प्रदेश में लो-इनपुट पक्षियों की बड़ी इकाई हेतु वर्ष 2017-18 में 400 हितग्राहियों के लिए 60 प्रतिशत केन्द्रांश, 20 प्रतिशत राज्यांश तथा 20 प्रतिशत हितग्राही अंश के आधार पर राशि भारत सरकार से प्राप्त हुई है।

योजना अन्तर्गत चयनित हितग्राहियों को बिना लिंग भेद वाले 4 सप्ताह के लो-इनपुट टेक्नॉलोजी के 400 पक्षी दो चरणों में 1.5 वर्ष के अन्तराल से जिले में ग्रामीण बैकयार्ड कुक्कुट विकास योजना अन्तर्गत पूर्व से चयनित मदर यूनिट से प्रदाय किए जाएंगे। साथ ही 200 पक्षियों के लिए कुक्कुट शेड बनाने हेतु राशि `15000 दिए जाने का प्रावधान है। चूजे हितग्राहियों को प्राप्त होने के उपरान्त मदर यूनिट के हितग्राही को 4 सप्ताह के चूजों का ` 50 प्रति चूजा भुगतान जिले के उपसंचालक द्वारा 7 से 10 दिवस में किया जाएगा।

हितग्राही चूजों को पाल कर, बड़ा करके नर पक्षियों को बेच देगा तथा मादा पक्षियों को लगातार 1 वर्ष तक पाल कर अंडे प्राप्त कर आय अर्जित करेगा। मादा पक्षियों में अंडों का उत्पादन बंद हो जाने पर हितग्राही मादा पक्षियों को विक्रय कर आय प्राप्त करेगा। 1.5 वर्ष के पश्चात हितग्राही को पूर्व की भांति द्वितीय किश्त मदर यूनिट से प्रदाय की जाएगी जिसे वह निर्धारित अवधि तक पालकर कुक्कुट मांस व अंडों से आय प्राप्त करेगा। इसके पश्चात हितग्राही स्वयं मदर यूनिट से चूजे क्रय कर कुक्कुट पालन करते हुए इसे अजीविका का साधन बना कर लगातार करता रहेगा।

### तालिका 3.3

राष्ट्रीय पशुधन मिशन –ग्रामीण बैकयार्ड कुक्कुट विकास तथा अभिनव कुक्कुट उत्पादकता योजना के अन्तर्गत विगत तीन वर्षों की वित्तीय उपलब्धि

(राशि ` लाख में)

		वर्ष					
क्रं	योजना का नाम	2016-17		2017-18		2018-19	
		प्राप्त	व्यय	प्राप्त	व्यय	प्राप्त	व्यय (माह मार्च तक)
1	राष्ट्रीय पशुधन मिशन – ग्रामीण बैकयार्ड कुक्कुट विकास	875.92	385.01	—	393.14	920.16	259.77
2	राष्ट्रीय पशुधन मिशन – अभिनव कुक्कुट उत्पादकता योजना	—	—	60.00	00.00	—	60.00

**तालिका 3.4**  
**राष्ट्रीय पशुधन मिशन –ग्रामीण बैकयार्ड कुक्कुट विकास तथा अभिनव कुक्कुट**  
**उत्पादकता योजना अन्तर्गत विगत तीन वर्षों की भौतिक उपलब्धि**

(राशि ` लाख में)

		वर्ष					
क्र. सं.	योजना का नाम	2016–2017		2017–2018		2018–2019	
		लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति (माह मार्च तक)
1	राष्ट्रीय पशुधन मिशन – ग्रामीण बैकयार्ड कुक्कुट विकास	40800	15300	—	9985	14195	26915
	राष्ट्रीय पशुधन मिशन – अभिनव कुक्कुट उत्पादकता योजना	—	—	400	00	—	400

### 3.7.1.3 रिस्क मैनेजमेंट एवं पशुधन बीमा

योजना का उद्देश्य पशुपालकों को उनके पशुओं हेतु बीमे की सुविधा प्रदान कर, दुधारू/गैर-दुधारू पशुओं की मृत्यु से होने वाली हानि की क्षतिपूर्ति करना एवं होने वाली आर्थिक हानि को रोकना है। योजना का क्रियान्वयन मध्यप्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम द्वारा किया जा रहा है।

भारत सरकार वर्ष 2014–15 से योजना को रिस्क मैनेजमेंट के रूप में राष्ट्रीय पशुधन मिशन ( National Livestock Mission) में शामिल किया है जिसमें प्रदेश के समस्त जिले सम्मिलित हैं। योजनांतर्गत सभी प्रकार के पशुओं का बीमा (दुधारू देशी/संकर गाय व भैंस, अन्य पशु जैसे घोडा, गधा, ऊंट, नर गौवंश व भैंसवंश, बकरी, भेड़, सूकर, खरगोश आदि पशुओं का बीमा कर लाभान्वित किए जाने का प्रावधान है। अब यह योजना गरीबी रेखा से ऊपर वाले हितग्राहियों हेतु केद्रांश 25 प्रतिशत, राज्यांश 25 प्रतिशत एवं 50 प्रतिशत हितग्राही अंशदान से तथा अनुसूचित जाति, जनजाति, गरीबी रेखा से नीचे वाले हितग्राहियों हेतु केद्रांश 40 प्रतिशत, राज्यांश 30 प्रतिशत एवं 30 प्रतिशत हितग्राही अंशदान पर संचालित की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2018–19 में 52908 पशुओं का बीमा किया गया है।

### 3.7.2 एकीकृत नमूना सर्वेक्षण

यह योजना केन्द्रांश व राज्यांश के 50:50 के अनुपात में वित्त पोषित है। इस योजनान्तर्गत एकीकृत नमूना सर्वेक्षण के आधार पर दूध, अण्डा, ऊन व मांस जैसे प्रमुख पशुधन उत्पादों के उत्पादन का आंकलन किया जाता है। भारत सरकार के निर्देशानुसार पशुधन उत्पाद का आंकलन ऋतुवार तथा वार्षिक आधार पर किया जाता है।

### 3.7.3 राष्ट्रीय पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण

केन्द्र व राज्य शासन के क्रमशः 60:40 के अनुपात में वित्तीय प्रबन्ध के आधार पर यह योजना संचालित है। इस योजनान्तर्गत आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पशुधन व कुक्कुट रोगों के नियंत्रण के लिए टीकाकरण, पशु स्वास्थ्य एवं जैविक उत्पाद संस्थान, पशु रोग अनुसंधान प्रयोग शालाओं के सुदृढीकरण, पशु चिकित्सा संस्थाओं का सुदृढीकरण विभिन्न संक्रामक बीमारियों के नियंत्रण हेतु कार्यक्रम, पशु चिकित्सकों व पैरावेट को सेवाकालीन प्रशिक्षण का प्रावधान आदि रहता है। इस योजना के निम्नलिखित घटक हैं:

- 3.7.3.1 पशु रोगों के नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता
- 3.7.3.2 व्यवसायिक दक्षता कार्यक्रम
- 3.7.3.3 पशु चिकित्सालयों एवं औषधालयों की स्थापना एवं सुदृढीकरण
- 3.7.3.4 एफ.एम.डी. नियंत्रण कार्यक्रम
- 3.7.3.5 पी.पी.आर. नियंत्रण कार्यक्रम
- 3.7.3.6 मातामहामारी के सर्वेक्षण एवं मॉनीटरिंग हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम
- 3.7.3.7 एन.ए.डी.आर.एस.

### 3.7.4 पशु संगणना

केन्द्रीय क्षेत्रीय योजनान्तर्गत मध्यप्रदेश राज्य में 20वीं पशु संगणना भारत सरकार के निर्देशन में संदर्भ तिथि 16 जुलाई 2017 से 15 अक्टूबर 2017 के मध्य प्रदेश के सभी आबाद ग्रामों में पूर्व की भांति मैनूअल परिवारों के सूचीबद्ध के साथ गणना कार्य सम्पन्न कराया जाना प्रस्तावित था परन्तु भारत सरकार के निर्देशानुसार 20वीं पशु संगणना टैबलेट कम्प्यूटर (Apk) पर कराने का निर्णय लिया गया जो पुनः संदर्भ तिथि 1 अक्टूबर 2018 से जून 2019 के मध्य सम्पन्न किया जाएगा।

20वीं पशु संगणना रहवासीवार/गैर रहवासीवार तथा नस्लवार पशुधन एवं कुक्कुट तथा पशुपालन क्षेत्र के उपयोग में लाए जाने वाले कृषि उपकरण व मत्स्यपालन सांख्यिकी की गणना की जा रही है।

### 3.7.5 बुन्देलखण्ड विशेष पैकेज

बुन्देलखण्ड विशेष पैकेज के अन्तर्गत 6 जिलों क्रमशः सागर, दमोह, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दतिया सम्मिलित किए गए हैं। बुन्देलखण्ड क्षेत्र के पशुपालको को लाभान्वित एवं रोजगार उपलब्ध कराने हेतु डेयरी विकास कार्यक्रम एवं नस्ल सुधार कार्यक्रम जैसे कार्यों को लिया गया है। भारत सरकार से प्रथम चरण में ए.सी.ए. (अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता) घटक में राशि ` 80.70 करोड़ विभाग को प्राप्त हुए हैं जिसका शत-प्रतिशत उपयोग किया गया है।

इसी प्रकार बारहवीं पंचवर्षीय योजनान्तर्गत बुन्देलखण्ड विशेष पैकेज के द्वितीय चरण में विभाग हेतु राशि ` 80 करोड़ की योजनाएं भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की गईं। योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष हेतु राशि ` 1.13 करोड़ एवं अद्यतन स्थिति में कुल राशि ` 80 करोड़ भारत सरकार से प्राप्त हो चुकी है। विभाग द्वारा मार्च 2019 तक गतिविधियों की क्रियान्वयन एजेन्सी क्रमशः मध्यप्रदेश राज्य दुग्ध सहकारी संघ मर्यादित, मध्यप्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम तथा उप संचालक कार्यालयों को कुल राशि ` 78.29 करोड़ उपलब्ध कराई गई है जिसमें से राशि ` 70.60 करोड़ व्यय किया जा चुका है।



### तालिका 3.5

#### बुन्देलखण्ड विशेष पैकेज के अन्तर्गत प्रगति

##### प्रथम चरण

क्रं.	गतिविधि	भौतिक लक्ष्य	भौतिक प्रगति	उपलब्धि प्रतिशत
1	म0प्र0राज्य सहकारी दुग्ध संघ द्वारा डेयरी डेवलपमेंट एक्टीविटी- डेयरी सोसाइटी का गठन बल्क मिल्क कूलर डेयरी प्लांट का सुदृढीकरण सदस्यता दुग्ध संकलन किग्रा/दिन	500 9 1 15000 25000	561 14 1 17664 28042	100
2	मुर्गा सांड प्रदाय	2403	2403	100
3	बकरी इकाई प्रदाय	5296	5296	100
4	फॉडर बैंक की स्थापना	3	3	100
5	मिनौरा जिला टीकमगढ में बकरी प्रक्षेत्र की स्थापना	1	1	100
6	एन.जी.ओ के माध्यम से पशुधन विकास केन्द्रों की स्थापना	111	111	100
7	म.प्र.राज्य सहकारी दुग्ध संघ द्वारा पशु आहार संयंत्र की स्थापना तथा दुग्ध उत्पाद के विपणन कार्य	1	संयंत्र प्रारंभ	100

## बुन्देलखण्ड विशेष पैकेज के अन्तर्गत प्रगति

### द्वितीय चरण

क्र.	गतिविधि	भौतिक प्रगति	रिमाक
1	म0प्र0राज्य सहकारी दुग्ध संघ द्वारा डेयरी डेवलपमेंट एक्टीविटी(प्रथम चरण में गठित समितियों का सुदृढीकरण, अनुश्रवण, प्रशिक्षण) समिति सचिव टैस्टर पशु स्वास्थ्य रक्षक प्रशिक्षण 138कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों में गर्भाधान चैफ कटर वितरण स्वास्थ्य शिविर	561 561 138 206831 3320 840	
2	रतौना जिला सागर में तरल नत्रजन संयंत्र की स्थापना	संयंत्र स्थापित	तरल नत्रजन उत्पादन एवं वितरण बुन्देलखण्ड क्षेत्र के 6जिलों में किया जा रहा है।
3.	रतौना जिला सागर में कृषक एवं कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना	निर्माणाधीन	—
4.	मुर्दा नर वत्स संगोपन इकाई की स्थापना(रतौना जिला सागर,मिनौरा जिला टीकमगढ़ एवं दतिया में)	2208	2208 संगोपित मुर्दा नर प्रदाय, रतौना एवं मिनौरा में निर्माण कार्य पूर्ण
5.	ट्रेविस एवं शेड की स्थापना (1000पंचायतों में)	798 पूर्ण	शेष 202 पंचायतों में जुलाई 2019 तक पूर्ण होना प्रस्तावित
6.	दतिया जिले में सीमेन स्टेशन की स्थापना	निर्माणाधीन	जुलाई 2019 तक पूर्ण होना प्रस्तावित
7.	त्वरित चारा विकास कार्यक्रम	16504हेक्टेयर	16504हेक्टेयर में चारा उत्पादन कार्यक्रम

### 3.7.6 राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

#### तालिका 3.6 राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की विगत तीन वर्षों की वित्तीय स्थिति

(राशि ` करोड में)

विवरण	2016-17	2017-18	2018-19
एस.एल.एस.सी. द्वारा स्वीकृत	114.52	98.41	97.75
पशुपालन विभाग को विमुक्त राशि	62.55	43.83	72.86
व्यय	62.55	43.83	50.12 ( मार्च तक)
शेष	0.00	0.00	22.74

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत वर्ष 2018-19 के लिये स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है-

#### 3.7.6.1 जबलपुर डेयरी संयंत्र परिसर में औटोमेटिक पनीर प्लांट की स्थापना

परियोजना नवीन एवं द्विवर्षीय है तथा परियोजना की कुल लागत राशि ` 975.86 लाख है। इसमें वर्ष 2018-19 में राशि ` 500 लाख एवं वर्ष 2019-20 में राशि ` 475.86 लाख स्वीकृत है। परियोजनान्तर्गत Heating & Storage of Milk, Culture preparation tank, Coagulation tank, Filtration plant, Pressing equipments, Paneer Press Cutting Machine, Nitrogen flushing facility, Vacuum Packing, Machine, Deep freezer for Storage etc स्थापित किए जाएंगे। परियोजनान्तर्गत प्रदेश में 3.32 लाख ग्रामीण दुग्ध उत्पादक तथा 14.83 लाख सांची उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। वर्ष 2019-20 तक पनीर विक्रय 600 किग्रा प्रतिदिन के मान से 2500 किग्रा प्रतिदिन की वृद्धि अपेक्षित है। परियोजना के माध्यम से आधुनिक तकनीक के उपकरण की स्थापना एवं संचालन में लाभामकता अपेक्षित है।

#### 3.7.6.2 ग्वालियर दुग्ध संघ स्थित दुग्ध चूर्ण संयंत्र का उन्नयन

परियोजना नवीन है तथा परियोजना की कुल लागत राशि ` 643.55 लाख है। इसमें वर्ष 2018-19 में राशि ` 400 लाख एवं वर्ष 2019-20 में राशि ` 243.55 लाख स्वीकृत है। परियोजनान्तर्गत modification of existing Evaporation plant, spray drying unit, Installation of new Air bag filters, self supported 32 mtr high chimney and sewage treatment plant along with requisite civil works किए जाएंगे। परियोजना अन्तर्गत ग्वालियर सहकारी दुग्ध संघ के 37324 ग्रामीण दुग्ध उत्पादक तथा 60 हजार सांची उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। इस परियोजना के तहत दुग्ध चूर्ण उत्पादन लागत राशि ` 17 से 19 प्रति किग्रा होगी तथा संचालन हानि में कमी परिलक्षित होगी। ग्वालियर सहकारी दुग्ध संघ द्वारा निजी संस्थाओं से निर्मित कराए जा रहे दुग्ध चूर्ण की व्यवस्था पर अंकुश लगेगा। सहयोगी दुग्ध संघ उज्जैन एवं जबलपुर को भी इस परियोजना के माध्यम से अपनी आवश्यकता के

अनुरूप दुग्ध चूर्ण निर्मित कराने में सहयोग प्राप्त होगा । जिन क्षेत्रों (जैसे रक्षा सेवाएं, औद्योगिक क्षेत्र, कोयला कोलरी) आदि में दुग्ध चूर्ण की उपलब्धता नहीं है वहां विपणन संभावित होगी ।

### 3.7.6.3 ग्वालियर दुग्ध संघ स्थित डेयरी संयंत्र में दही निर्माण क्षमता विस्तार

परियोजना नवीन है तथा परियोजना की कुल लागत राशि ` 190.00 लाख है। परियोजना अन्तर्गत ग्वालियर सहकारी दुग्ध संघ के 15 हजार ग्रामीण दुग्ध उत्पादक तथा 60 हजार सांची उपभोक्ता प्रदेश में लाभान्वित होंगे। परियोजना के अन्तर्गत सिविल इलेक्ट्रीकल कार्यों के साथ-साथ उपकरणों की स्थापना प्रस्तावित है। परियोजना के द्वारा वर्तमान में निर्मित किए जा रहे 600 कप प्रति घन्टा दही के विरुद्ध 2000 कप प्रति घन्टा दही पैकिंग की व्यवस्था की जाकर रेलवे को उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी दही के विक्रय में वृद्धि की जाएगी। दही उत्पादन लागत राशि ` 24 से 28 प्रति किग्रा को आधुनिक तकनीक से निर्मित उपरान्त उत्पादन लागत तथा अनुत्पादक व्ययों में कमी परिलक्षित होंगे ।

### 3.7.6.4 प्रदेश में 1000 दुग्ध सहकारी समितियों में ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन सिस्टम की स्थापना

परियोजना नवीन एवं द्विवर्षीय है तथा परियोजना की कुल लागत राशि ` 1930 लाख है। इसमें वर्ष 2018-19 में राशि ` 965 लाख एवं वर्ष 2019-20 में राशि ` 965 लाख स्वीकृत है। परियोजनान्तर्गत 1000 दुग्ध समिति में Automatic Milk Collection Units प्रदाय किए जाएंगे जिससे 50 हजार दुग्ध उत्पादक सदस्य को लाभान्वित कर, दुग्ध उत्पादको द्वारा प्रदायित दूध की मात्रा के लिए उचित मूल्य का भुगतान तथा दूध संकलन प्रक्रिया में पारदर्शिता निर्मित करना संभव होगा । साथ ही दुग्ध उत्पादकों में कार्य प्रणाली के प्रति विश्वास निर्मित होगा तथा वे ग्रामीण स्वरोजगार में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होंगे।

### 3.7.6.5 सागर डेयरी संयंत्र प्रसंस्करण क्षमता का विस्तार

परियोजना नवीन एवं द्विवर्षीय है तथा परियोजना की कुल लागत राशि ` 2361लाख है । इसमें वर्ष 2018-19 में राशि ` 1061 लाख एवं वर्ष 2019-20 में राशि ` 1300 लाख स्वीकृत हैं । परियोजना के तहत वर्तमान में सागर डेयरी संयंत्र की 20 हजार लीटर प्रतिदिन प्रसंस्करण क्षमता को विस्तारित करते हुए 1 लाख लीटर प्रतिदिन प्रसंस्करण क्षमता किया जाना है। परियोजना का क्रियान्वयन राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड से टर्न-की आधार पर किया जाएगा। बुन्देलखण्ड सहकारी दुग्ध संघ के लगभग 28 हजार दुग्ध उत्पादक सदस्य लाभान्वित होंगे। परियोजना के माध्यम से 50 हजार लीटर प्रतिदिन पैकेट दूध का विक्रय संभावित होगा।

### 3.7.6.6 भोपाल में दुग्ध उत्पादों हेतु भवन की स्थापना

परियोजना की अवधि एक वर्ष ( 2018-19) के लिए है। इस परियोजना हेतु कुल राशि ` 1000 लाख स्वीकृत है । परियोजना के तहत भोपाल डेयरी संयंत्र में विभिन्न दुग्ध उत्पाद के व्यवस्थित निर्माण हेतु 5400 वर्ग फिट क्षेत्र में भवन निर्मित किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित तीन मंजिल भवन में भोपाल दुग्ध संघ

द्वारा घी, पेड़ा, लस्सी, मठा, दही, पनीर, श्रीखण्ड आदि की मशीनें स्थापित की जाकर उत्पादन किया जाएगा। परियोजना के माध्यम से लगभग 9 लाख ग्रामीण एवं शहरी उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

### 3.7.6.7 पशुओं में बाँझपन निवारण हेतु शिविरों का आयोजन

इस योजना के तहत प्रदेश में बाँझता से पीड़ित 7.16 लाख पशुओं (कुल मादा पशुओं का 6.9 प्रतिशत) में से 6.12 लाख (80 प्रतिशत) पशुओं के बाँझपन निवारण हेतु कार्यक्रम लिया गया है। परियोजना की अवधि एक वर्ष (2018-19) के लिए है। इस परियोजना हेतु कुल राशि ₹ 1000 लाख स्वीकृत है।

विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त ग्रामों में पशु उपचार एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन गोकुल महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत किया जाता है। उक्त गोकुल महोत्सव कार्यक्रम के दौरान ही लगने वाले शिविरों में ही बाँझपन से पीड़ित पशुओं का रजिस्ट्रेशन कर उनका तीन चरणों में उपचार किया जाएगा। प्रथम चरण में लक्षित बाँझपन से पीड़ित पशुओं में प्राथमिक उपचार के फलस्वरूप लगभग 20 प्रतिशत पशुओं में रोग निदान की संभावना होगी, पुनः 21 दिवस उपरांत लगभग 60 प्रतिशत शेष लक्षित पशुओं में रोग निदान की संभावना होगी। इस प्रकार कुल लक्षित पशुओं में से 80 प्रतिशत पशुओं को बाँझता से मुक्ति मिल सकेगी एवं शेष 20 प्रतिशत लक्षित पशुओं को पुनः 21 दिवस के अंतराल उपरांत उपचार द्वारा बाँझता से मुक्त किया जाकर उत्पादकता में लाया जाएगा।

### 3.7.6.8 तीन संभागीय पशु रोग अन्वेषण प्रयोगशालाओं का विस्तार एवं सुदृढीकरण

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2018-19 में "Strengthening/ Modernization of Divisional Disease Investigation Laboratories to BSL-2 level as per GLP Norms and to obtain ISO Certification" के अंतर्गत कार्यक्रम के लिए राशि ₹ 392.19 लाख का प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा जारी गाईडलाइन के तहत तैयार किया जाकर प्रस्ताव राज्य स्तरीय मंजूरी समिति से अनुमोदन कराया गया है। योजना के तहत इंदौर, सागर एवं जबलपुर जिले में पूर्व से स्थापित पशु रोग अन्वेषण प्रयोगशालाओं का विस्तार एवं सुदृढीकरण किया जायेगा योजना के घटक निम्नानुसार हैं:-

- निर्माण कार्य (03 संभागीय डी.आई. लैब)- राशि ₹ 236.19 लाख
- आवश्यक उपकरण एवं औजार (03 संभागीय डी.आई. लैब) राशि ₹ 150.00 लाख
- आईएसओ सर्टीफिकेशन (03 संभागीय डी.आई. लैब)- राशि ₹ 06.00 लाख

### 3.7.6.9 ब्रूसेला कन्ट्रोल कार्यक्रम

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2018-19 में "Brucellosis Surveillance Cum Vaccination Programme" के अंतर्गत कार्यक्रम के लिए राशि ₹ 1306.710 लाख का प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा जारी गाईडलाइन के तहत तैयार कर प्रस्ताव राज्य स्तरीय मंजूरी समिति से अनुमोदन कराया गया है। योजना के तहत पूरे प्रदेश के 40.87 लाख गौ-भैंस वंशीय पशुओं में टीकाकरण कार्यक्रम लिया जाएगा।

## भाग – चार

### शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र/भेड़ प्रक्षेत्र/बकरी प्रक्षेत्र एवं कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र

#### 4.1 शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र का उद्देश्य

पशुओं के नस्ल का संरक्षण एवं संवर्धन कर विभिन्न विभागीय योजनाओं के अन्तर्गत हितग्राहियों को उन्नत नस्ल के सॉड/ पाड़े उपलब्ध करना।

#### तालिका 4.1

#### शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्रों की जानकारी

क्र	शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र का नाम	प्रक्षेत्रों की संक्षिप्त जानकारी			
		स्थापना वर्ष	उपलब्ध नस्ल	कुल पशुधन	कुल उपलब्ध भूमि (एकड़ में)
1	शास. जर्सी पशु प्रजनन प्रक्षेत्र भदभदा (भोपाल)	वर्ष 1976-77	जर्सी, साहीवाल	366	162
2	शास. पशु प्रजनन प्रक्षेत्र मिनोरा (टीकमगढ़)	वर्ष 1972	हरियाणा	288	350
3	शास. पशु प्रजनन प्रक्षेत्र आगर (शाजापुर)	वर्ष 1942	मालवी	495	1150
4	शास. पशु प्रजनन प्रक्षेत्र रोड़िया (खरगोन)	वर्ष 1979	निमाड़ी	198	103
5	शास. पशु प्रजनन प्रक्षेत्र रतौना (सागर)	वर्ष 1946-47	थारी एवं मुर्दा	581	696
6	शास. पशु प्रजनन प्रक्षेत्र इमलीखेड़ा (छिन्दवाड़ा)	वर्ष 1954-55	साहीवाल	411	112
7	शास. पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गढ़ी (बालाघाट)	वर्ष 1917	साहीवाल, संकर जर्सी	357	1080
8	शास. पशु प्रजनन प्रक्षेत्र पवई (पन्ना)	वर्ष 2010	केनकाठा	142	995
9	शासकीय भैंस प्रजनन प्रक्षेत्र शिवपुरी	शास0 भैंस प्रजनन प्रक्षेत्र शिवपुरी के भदावरी नस्ल के भैंस प्रजनन प्रक्षेत्र को स्थापित करने की कार्यवाही प्रचलन में है।			
10	शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र बांसाखेड़ी जिला मंदसौर	शास0 भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्र बांसाखेड़ी मंदसौर की भूमि पर गिर नस्ल के गौवंश के पशु प्रजनन प्रक्षेत्र को स्थापित करने की कार्यवाही प्रचलन में है।			

## 4.2 शासकीय भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्र का उद्देश्य

उन्नत नस्ल के मेढे तैयार कर भेड़ विस्तार केन्द्रों के माध्यम से पशुपालकों को प्रदाय कर स्थानीय भेड़ की नस्ल में सुधार लाना।

तालिका 4.2

### शासकीय भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्रों की जानकारी

क्र	शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र का नाम	प्रक्षेत्रों की संक्षिप्त जानकारी			
		स्थापना वर्ष	उपलब्ध नस्ल	कुल पशुधन	कुल उपलब्ध भूमि (एकड़ में)
1	शास. भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्र बांसाखेड़ी (मंदसौर)	वर्ष 1954	मेरीनों चोकला संकर	35	163
2	शास. भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्र पड़ोरा (शिवपुरी)	वर्ष 1975	रेम्बूलेट	113	197
3	शास. भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्र मिनौरा (टीकमगढ़)	वर्ष 1958	रेम्बूलेट एवं कॉरीडेल	320	355

## 4.3 शासकीय बकरी प्रजनन प्रक्षेत्र का उद्देश्य

जमनापारी नस्ल की बकरियों का संरक्षण एवं संवर्धन कर विभिन्न विभागीय योजनाओं के अन्तर्गत हितग्राहियों/ पशुपालकों को उपलब्ध कराना।

तालिका 4.3

### शासकीय बकरी प्रजनन प्रक्षेत्र की जानकारी

क्र	शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र का नाम	प्रक्षेत्रों की संक्षिप्त जानकारी			
		स्थापना वर्ष	उपलब्ध नस्ल	कुल पशुधन	कुल उपलब्ध भूमि (एकड़ में)
1	शास. बकरी प्रजनन प्रक्षेत्र आरोन (ग्वालियर)	वर्ष 1980	बारबरी	540	312
2	शास. बकरी प्रजनन प्रक्षेत्र मिनौरा (टीकमगढ़)	वर्ष 2013	जमुनापारी	956	पशु प्रजनन प्रक्षेत्र मिनौरा की भूमि पर स्थापित
3	शास. बकरी प्रजनन प्रक्षेत्र चिनकी उमरिया (नरसिंहपुर)	वर्ष 2019	सिरोही बारबरी	61	54
4	शास. बकरी प्रजनन प्रक्षेत्र ठीकरी (बड़वानी)	शास0 बकरी प्रजनन प्रक्षेत्र ठीकरी में जमुनापारी नस्ल के बकरी प्रजनन प्रक्षेत्र को स्थापित करने की कार्यवाही प्रचलन में है।			

#### 4.4 शासकीय कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र का उद्देश्य

कुक्कुट पालन प्रक्षेत्रों पर लो इनपुट टेक्नोलॉजी वाले पक्षियों का संवर्धन कर विभिन्न विभागीय योजनाओं में प्रदाय करने हेतु एक दिवसीय चूजों का उत्पादन करना प्रक्षेत्र का उद्देश्य है साथ ही कड़कनाथ कुक्कुट प्रक्षेत्र झाबुआ में मध्य प्रदेश का गौरव कहलाने वाले कड़कनाथ नस्ल के पक्षियों का संरक्षण एवं संवर्धन करने के साथ-साथ विभागीय कड़कनाथ प्रदाय योजना अन्तर्गत चूजा प्रदाय करने हेतु एक दिवसीय चूजों का उत्पादन करना मुख्य उद्देश्य है।

#### तालिका 4.4

#### शासकीय कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र की जानकारी

क्र	शासकीय कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र का नाम	प्रक्षेत्रों की संक्षिप्त जानकारी वर्ष 2018-19			
		स्थापना वर्ष	उपलब्ध नस्ल	कुल उपलब्ध मादा पेरेन्ट पक्षी (मार्च तक)	कुल उपलब्ध भूमि (एकड़ में)
1	शास. कुक्कुट प्रक्षेत्र अनुसंधान हताईखेड़ा, भोपाल	वर्ष 1968-69	चाब्रो कड़कनाथ कलिंगा ब्राउन आर.आई.आर. रंगीन ब्रायलर जापानी बटेर	703 4014 707 1872 562 3132	11
2	शास. कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र इन्दौर	वर्ष 1963-64	कड़कनाथ	3658	13
3	शास. कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र ग्वालियर	वर्ष 1986-87	चाब्रो कड़कनाथ	2850 500	3
4	शास. कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र गुना	वर्ष 1988-89	आर0आई0आर0 चाब्रो	2450 558	7
5	शास. कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र सागर	वर्ष 1986-87	कलिंगा ब्राउन	1827	10
6	शास. कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र रीवा	वर्ष 1964-65	कलिंगा ब्राउन	1550	5
7	शास. कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र छिन्दवाड़ा	वर्ष 1965-66	रेन्बो रुस्टर कड़कनाथ	1487 500	12
8	शास. कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र शहडोल	वर्ष 1960-61	कलिंगा ब्राउन	3000	6
9	शास. कड़कनाथ कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र झाबुआ	वर्ष 1978-79	कड़कनाथ	2830	6
कुल				32200	73



**भाग-5**  
**सामान्य प्रशासनिक जानकारी**  
**तालिका 5.1**  
**विभाग में स्वीकृत एवं कार्यरत पदों की संख्या**  
**(वर्ष 2018-19 की स्थिति में)**

क्रमांक	श्रेणी / पदनाम	स्वीकृत	कार्यरत
1	संचालक	1	1
2	अपर संचालक	2	—
3	संयुक्त संचालक	21	8
4	उप संचालक / सिविल सर्जन पशु चिकित्सा / पशु प्रजनन कार्यक्रम अधिकारी	203	97
5	उप संचालक(रिसर्च)	1	—
6	सहायक संचालक / पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ / पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी	1671	1311
7	सहायक संचालक सांख्यिकीय / सांख्यिकीय अधिकारी	17	6
8	क्षेत्रीय अधिकारी (सांख्यिकीय)	1	—
9	सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं	4	0
10	प्रशासनिक अधिकारी / लेखा परीक्षा अधिकारी / लेखा अधिकारी	3	1
11	जन संचार दृश्य श्रव्य अधि०	1	—
12	खाद्य विश्लेषक	1	—
13	उप यंत्री	3	3
14	मुख्य मानचित्रकार	1	1
15	सहायक सांख्यिकीय अधिकारी	48	26
16	विपणन निरीक्षक	5	1
17	सहा०पशु चिकि० क्षेत्र अधि०, प०चि०क्षेत्र अधि०, वरिष्ठ प०चि०क्षेत्र अधि०, पशुधन क्षेत्र अधि०	4310	3489
18	प्रगति सहायक / संगणक	110	82
19	प्रगणक	72	62
20	प्रयोगशाला सहायक / तकनीशियन	132	82
21	क्षेत्र सहायक	40	22
22	प्लांट आपरेटर	11	9
23	दुग्ध अभिलेखक	17	7
24	प्रोजेक्ट आपरेटर	18	18
25	प्रोजेक्ट आपरेटर कनिष्ठ	5	5
26	विद्युतकार मैकेनिक	7	5
27	पट्टी बंधक वर्ग-1	15	8
28	लिपिक वर्गीय	849	592
29	वाहन चालक	167	109

30	चतुर्थ श्रेणी	2919	2698
----	---------------	------	------

### तालिका 5.2

विभागीय नियुक्तियां एवं पदोन्नतियां ( वर्ष 2018-19 की स्थिति में)

क्रमांक	पद श्रेणी	नियुक्तियाँ	पदोन्नतियाँ
1	प्रथम श्रेणी	—	—
2	द्वितीय श्रेणी	298	—
3	तृतीय श्रेणी	144	—

### तालिका 5.3

विभागीय जॉच सम्बन्धी जानकारी (वर्ष 2018-19 की स्थिति में)

क्र०	श्रेणी	जॉच प्रकरणों की संख्या	निराकृत जॉच प्रकरण	लंबित जॉच प्रकरण
1	प्रथम श्रेणी	15	4	11
2	द्वितीय श्रेणी	46	22	24
3	तृतीय श्रेणी	30	18	12
4	चतुर्थ श्रेणी	—	—	—

### तालिका 5.4

विभाग के विरुद्ध दायर न्यायालयीन प्रकरणों की स्थिति  
( वर्ष 2018-19 की स्थिति में)

क्र०	पद श्रेणी	माननीय न्यायालय द्वारा निर्णित/खारिज	निराकृत	पालन हेतु शेष	माननीय न्यायालय में कुल विचाराधीन प्रकरण
1	प्रथम श्रेणी	—	0	—	01
2	द्वितीय श्रेणी	—	11	01	04
3	तृतीय श्रेणी	23	19	21	06
4	चतुर्थ श्रेणी	1	07	04	06
	<b>योग</b>	<b>24</b>	<b>37</b>	<b>26</b>	<b>17</b>

तालिका 5.5

स्थानान्तरण  
विभाग द्वारा किये गये स्थानांतरणों की जानकारी  
(वर्ष 2018–19 की स्थिति में)

क्रमांक	श्रेणी / पदनाम	स्थानांतरण की संख्या	संशोधन संख्या	निरस्त की संख्या
<b>(प्रथम श्रेणी)</b>				
1	संयुक्त संचालक	2	—	—
2	उप संचालक / सिविल सर्जन / पशु प्रजनन कार्यक्रम अधिकारी	4	—	—
<b>(द्वितीय श्रेणी)</b>				
1	पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ	23	—	—
2	सहायक संचालक सांख्यिकीय	—	—	—
<b>(तृतीय श्रेणी)</b>				
1	सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी	71	—	—
2	लिपिक वर्गीय	3	—	—

## विभागीय उपलब्धियां

### 6.1 महत्वपूर्ण विभागीय उपलब्धियाँ

- वर्ष 2017–18 में प्रदेश की दुग्ध उत्पादन की वृद्धि दर 9.43 प्रतिशत रही जबकि राष्ट्र की दुग्ध उत्पादन की वृद्धि दर 6.62 प्रतिशत थी।
- वर्ष 2017–18 में प्रदेश, दुग्धोत्पादन में राष्ट्र में तृतीय स्थान पर है।
- वर्ष 2017–18 में दुग्ध उत्पादन 13445 हजार मेट्रिक टन से बढ़कर 14713 हजार मेट्रिक टन हुआ है। वर्ष 2017–18 में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन दुग्ध उपलब्धता 468 ग्राम से बढ़कर 505 ग्राम हो गई है जो कि राष्ट्रीय औसत 375 ग्राम से अधिक है।
- वर्ष 2017–18 में अण्डा उत्पादन 16940 लाख से बढ़कर 19422 लाख हुआ है। वर्ष 2017–18 में प्रति व्यक्ति वार्षिक अण्डा उपलब्धता 22 अण्डा से बढ़कर 24 अण्डा वार्षिक हो गया है।
- दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करने हेतु उन्नत नस्ल के नर एवं मादा उत्पादित करने के लिए भ्रूण प्रत्यारोपण जैसी नवीन तकनीक का उपयोग प्रारम्भ किया गया है। वर्ष 2018–19 में 127 भ्रूण संकलित किए गए तथा 143 भ्रूण प्रत्यारोपित किए गए।
- भारत सरकार के द्वारा नेशनल मिशन फॉर बोवाईन प्रोडक्टिविटी के अन्तर्गत सेक्स सोर्टेड सीमन के उत्पादन के लिए राशि ` 47.50 करोड़ की परियोजना स्वीकृत की गई है। उक्त योजना का क्रियान्वयन केन्द्रीय वीर्य संस्थान, भदभदा भोपाल पर वर्ष 2019–20 में किया जा रहा है।
- वर्ष 2018–19 में 10.11 लाख किलोग्राम प्रतिदिन औसत दुग्ध संकलित किया गया।
- वर्ष 2018–19 में दुग्ध उत्पादकों को राशि ` 1097.00 करोड़ का भुगतान किया गया।
- वर्ष 2018–19 में 7.40 लाख लीटर प्रतिदिन औसत पैकेट दुग्ध विक्रय किया गया।
- वर्ष 2018–19 के दौरान घी विक्रय 5157 मे.टन है जो कि गत वर्ष की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार मट्ठा विक्रय 14 प्रतिशत एवं सुगन्धित मीठा दूध विक्रय 29 प्रतिशत, सादा दही विक्रय 8 प्रतिशत, पेडा विक्रय 46 प्रतिशत, पनीर विक्रय 6 प्रतिशत, गुलाब जामुन विक्रय 153 प्रतिशत, रसगुल्ला विक्रय 208 प्रतिशत तथा मिल्क केक विक्रय 36 प्रतिशत अधिक है।
- 15 जुलाई 2015 से प्रदेश के 85933 प्राथमिक विद्यालयों के 45.85 लाख विद्यार्थियों तथा 92230 आंगनवाडियों के 47.88 लाख बच्चों को माध्यम भोजन कार्यक्रम अन्तर्गत सप्ताह में 3 दिन सुगन्धित मीठा दूध प्रदाय हेतु दुग्ध संघों द्वारा सुगन्धित मीठा दुग्ध चूर्ण प्रदाय किया जा रहा है।
- दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से 104310 मे.टन पशु आहार विक्रय किया गया जो कि गत वर्ष इसी अवधि की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक है।
- प्रदेश में सहकारी क्षेत्र में स्थित दग्ध सहकारी समितियों, शीतकेन्द्र, डेयरी संयंत्र तथा दुग्ध संकलन मार्गों का डिजीटाइजेशन कर जीआईएस मैपिंग की गई है। इससे दुग्ध संघों के दुग्ध संकलन मार्गों की लम्बाई में 1500 किमी की कमी आई तथा राशि ` 65 लाख प्रति वर्ष की बचत हुई। इस परियोजना को मध्यप्रदेश ई-गवर्नेंस उत्कृष्टता पुरस्कार वर्ष 2015–17 के अर्न्तत सूचना प्रौद्योगिकी का अनुभव प्रयोग श्रेणी में

रनरअप पुरस्कार प्राप्त हुआ।

- स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दुग्ध संघों द्वारा कुल 30848 किलोग्राम पेड़ा विक्रय किया गया जो कि गत वर्ष इसी अवधि की तुलना में 270 प्रतिशत अधिक है।
- रक्षाबंधन के अवसर पर दुग्ध संघों द्वारा कुल 26385 किलोग्राम पेड़ा, मिल्क केक, नारियल बर्फी, रसगुल्ला, गुलाब जामुन का विक्रय किया गया जो कि गत वर्ष इसी अवधि की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है।
- दीपावली के अवसर पर दुग्ध संघों द्वारा कुल 68438 किलोग्राम पेड़ा, मिल्क केक, नारियल बर्फी, रसगुल्ला, गुलाब जामुन का विक्रय किया गया जो कि गत वर्ष इसी अवधि की तुलना में 90 प्रतिशत अधिक है।

## भाग—सात

### विभाग के अंतर्गत आने वाले निगम, बोर्ड एवं समितियाँ

#### 7.1 म. प्र. राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम

म. प्र. राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम की स्थापना अधिनियम 37 (1982) के अन्तर्गत 19 नवम्बर 1982 को निगम के कामकाज, पशु उत्पादन (दूध तथा दुग्ध उत्पादों को छोड़कर) तथा कुक्कुट उत्पादों के संग्रहण, पालन पोषण और विपणन करने एवं पशु तथा कुक्कुट का संरक्षण, प्रबंध और विकास करने के उद्देश्य से हुई जिससे कि राज्य के पशुधन का विकास हो सके और उसमें वृद्धि हो सके।

#### तालिका 7.1

#### मध्यप्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम द्वारा क्रियान्वित प्रमुख योजनाओं की उपलब्धियां वर्ष 2018-19

क्र.	विवरण	वर्ष					
		2016-2017		2017-2018		2018-2019	
		भौतिक	वित्तीय (लाख राशि में)	भौतिक	वित्तीय (लाख राशि में)	भौतिक	वित्तीय (लाख राशि में)
1.	उच्चवंशीय पशुधन का प्रदाय(बैल जोड़ी भी सम्मिलित)	467	162.84	215	121.80	650	422.28
2.	नस्लसुधार (गौवंश / भैंसवंश / बकरा / सूकर)	12372	1502.65	7333	1606.73	4592	1283.04
3.	पशु आहार का उत्पादन(मै.टन में) (गौ-भैंसवंश / बकरा एवं पक्षी)	353.6	80.60	2972.350	475.41	2373.350	375.38
4.	तरल नत्रजन का विक्रय(लाख लीटर में)	11.68	306.83	12.76	368.78	12.87	406.05
5.	फ़ोजन सीमन का उत्पादन (लाख स्ट्रा)	27.85	320.96	28.00	448.00	25.35	536.00
6.	राष्ट्रीय गौ भैंसवंशीय, पशु प्रजनन कार्यक्रम पशु प्रजनन प्रक्षेत्र कीरतपुर एवं बुलमदर फार्म भदभदा भोपाल	मैत्री 128 प्रशिक्षण एवं उपकरण एवं उपकरण आदि का प्रदाय, कृ. ग.सांड कृ.ग.सांड क्रय60,रिप्लेश मैट कृग उपकरण अन्तर्गत BA-2-1000, Alkit-500,Thawing Unit-716,Goblets-11,170StrengtheningofAI Centre अन्तर्गत	860.40	कृ.ग.सांड क्रय 60, रिप्लेशमेंट अन्तर्गत 197कृ. ग. उपकरण अन्तर्गत , 574तरल नत्रजन पात्र। तरल नत्रजन परिवहन का सुदृढीकरण के अन्तर्गत OMR-2नग BA-35-200नग TA-55-200 नग J12-100 नग	690.73	कृ. ग. कार्यकर्ताओं का रिफरेशर प्रशिक्षण  कृषकों के ओरियन्टेशन कार्यक्रम  548नग BA-3 कृय 6000लीटर क्षमता का तरल नत्रजन परिवहन टैंकर का कृय	309.27 + 1422

		AI kit-124, Castrator- 522, AI Seath66,,500) Gloves66000 strengthening Bulk LN2 Transport & distribution अन्तर्गत BA-11- 400 J-12-101 TA-55-201 ]				OMR-1 नग	
7.	बुन्देलखण्ड पैकेज	268	107.20	660	250.80	572	223.08
8.	रिस्क मैनेजमेंट एन्ड इश्योरेन्स (पशुधन बीमायोजना)	59113	388.01	38219	283.80	52908	378.43
9	दुग्ध उत्पादन एवं विक्रय, कीरतपुर (लाख लीटर)	1.28	56.60	150.00	67.96	0.99	47.92
10.	कीरतपुर में मुर्दा भैंस प्रजनन केन्द्र की स्थापना	114 वत्स उत्पादित	42.18	.62 वत्स उत्पादित	22.94	76 वत्स उत्पादित	30.40
11	भ्रूण प्रत्यारोपण प्रयोगशाला	251 भ्रूण संकलित किए एवं 204 प्रत्यारोपण, 24 वत्सों का उत्पादन	—	144 भ्रूण संकलित किए एवं 165 प्रत्यारोपण, 75 वत्सों का उत्पादन	—	127 भ्रूण संकलित किए एवं 143 प्रत्यारोपण, 62 वत्सों का उत्पादन	394.00
12	कीरतपुर(इटारसी)में नेशनल कामधेनु ब्रीडिंग सेन्टर की स्थापना	नेशनल कामधेनु ब्रीडिंग सेन्टर की स्थापना	—	निर्माण एवं अधोसंरचना कार्य करना एवं कुल 87 पशु कय	1331.43	वृषि एवं कार्यालयीन उपकरण तथा 64 पशुआर्क का कय	32.13
13	दतिया में सीमन स्टेशन की स्थापना	1सीमेन स्टेशन निर्माणाधीन	737.17	—	—	निर्माण कार्य पूर्ण(ओव्हर हेड टैंक शेष)	—
14	कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण संस्थान रतौना (सागर)	कृ0ग0 प्रशिक्षण संस्थान निर्माणाधीन	332.32	—	—	निर्माणाधीन कार्य प्रगति पर	402.40
15	राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अन्तर्गत पशु प्रजनन प्रक्षेत्र रतौना, सागर में गोकुल ग्राम की स्थापना	—	390.00	—	500.00	—	—
16	टर्न ओवर	—	5393.76	—	6139.46	—	6262.38

## 7.2 एम. पी. स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड

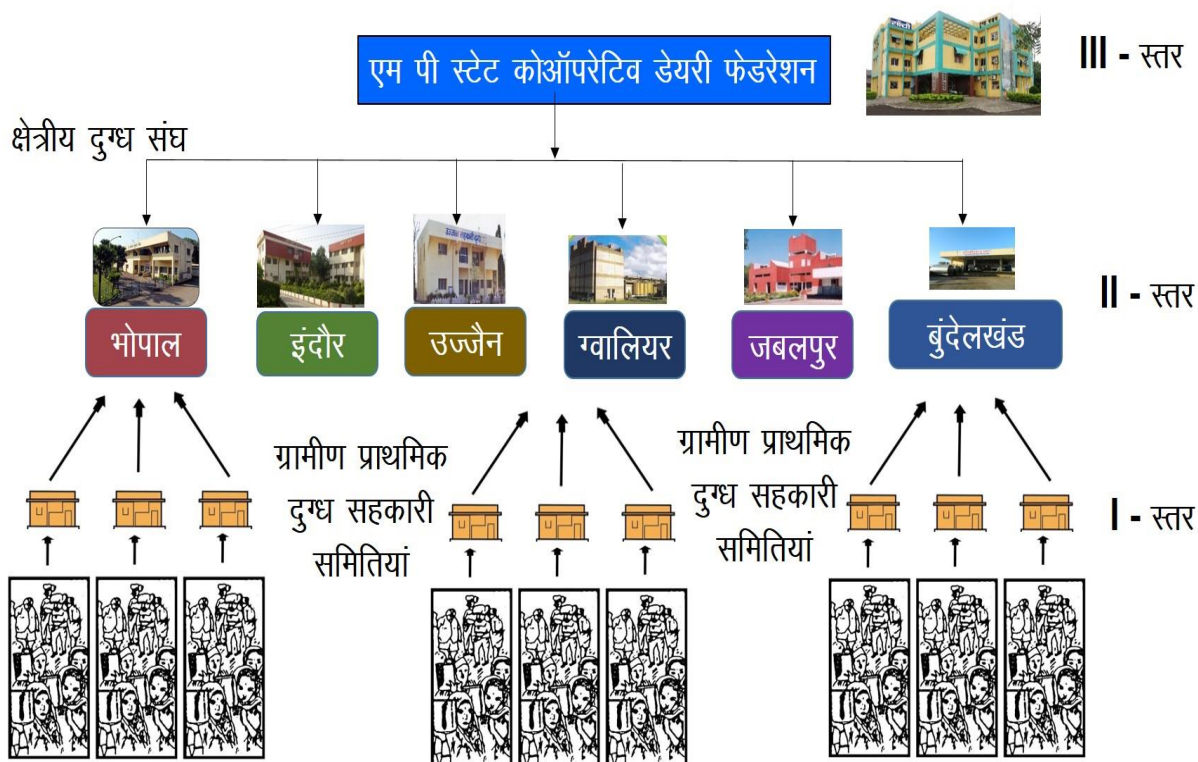


वर्ष 1980 में आपरेशन फ्लड कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश में सहकारी क्षेत्र में समन्वित डेयरी विकास की गतिविधियां संचालित करने के लिए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम 1960 के अन्तर्गत मध्यप्रदेश दुग्ध महासंघ सहकारी मर्यादित (वर्तमान में एम.पी.स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लि.) की स्थापना की गई। इसी के साथ आणंद प्रणाली पर त्रि-स्तरीय सहकारी संस्थाओं का गठन प्रारम्भ हुआ। इसके अन्तर्गत प्रथम स्तर पर ग्रामीण दुग्ध सहकारी समितियां, द्वितीय स्तर पर सहकारी दुग्ध संघ एवं राज्य स्तर पर एम.पी.स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) कार्यरत हैं।



7.2.1 त्रिस्तरीय सहकारी डेयरी संरचना निम्नानुसार है-

## त्रिस्तरीय सहकारी डेयरी संरचना



7.2.2 दुग्ध संघवार जिलों का वर्गीकरण निम्नानुसार है :

क्र.	दुग्ध संघ	सम्मिलित जिले
1	भोपाल सहकारी दुग्ध संघ	भोपाल, सीहोर, विदिशा, राजगढ़, रायसेन, गुना, होशंगाबाद, बैतूल, हरदा, अशोकनगर, एवं जिला शाजापुर (शुजालपुर, कालापीपल तहसील)
2	इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ	इन्दौर, देवास (देवास तहसील के कुछ क्षेत्र को छोड़कर), खरगौन, धार(धार तहसील के कुछ क्षेत्र को छोड़कर), बडवानी, झाबुआ, अलीराजपुर, खण्डवा, बुरहानपुर, उज्जैन (उज्जैन एवं तराना तहसील का कुछ क्षेत्र)
3	उज्जैन सहकारी दुग्ध संघ	उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, शाजापुर (शाजापुर,मोमन बड़ोदिया व गुलाना तहसील), आगर मालवा, धार (बदनावर तहसील) व देवास का कुछ क्षेत्र
4	जबलपुर सहकारी दुग्ध संघ	जबलपुर, सिवनी, नरसिंहपुर, रीवा, सतना, मण्डला, डिंडोरी, कटनी, छिंदवाडा, शहडोल, उमरिया, अनुपपुर, सीधी, सिंगरौली, बालाघाट
5	ग्वालियर सहकारी दुग्ध संघ	ग्वालियर, भिण्ड, मुरैना, शिवपुरी, श्योपुर, दतिया
6	बुन्देलखण्ड सहकारी दुग्ध संघ, सागर	सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी

तालिका 7.2

**सहकारी डेयरी विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2018-19 के दौरान दुग्ध  
संघवार भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि**

क्र.	विवरण	भोपाल	इंदौर	उज्जैन	ग्वालियर	जबलपुर	बुन्देलखण्ड	योग
1	गठित दुग्ध सहकारी समितियों की संख्या	2321	2130	1839	876	1306	679	9151
2	कार्यशील दुग्ध सहकारी समितियों की संख्या	2131	1475	1243	560	623	466	6498
3	कार्यशील दुग्ध सहकारी समितियों की सदस्य संख्या	82589	61240	53443	15740	23792	20614	257418
4	दुग्ध संकलन किलोग्राम / प्रतिदिन	387240	335445	189578	26241	39838	32548	1010888
5	स्थानीय दुग्ध विक्रय (लीटर प्रतिदिन)	353281	230573	61723	27255	31305	36135	740271
6	पशु आहार विक्रय (मेट्रिक टन)	48329	41946	8023	1140	2310	2562	104310
7	कृत्रिम गर्भाधान(संख्या)	158327	141782	127750	92072	47234	34285	601450
8	दुग्ध उत्पादकों को भुगतान ( करोड़ में )	419.87	360.54	193.09	38.65	48.79	35.98	1096.91
9	विक्रय प्राप्तियां (करोड़ में)	727.81	587.54	320.46	90.61	104.94	73.82	1905.17

### 7.3 मध्यप्रदेश गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड

#### 7.3.1 बोर्ड की संरचना

मध्यप्रदेश शासन पशुपालन विभाग द्वारा मध्यप्रदेश गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड को दिनांक 08-10-2004 से राज्य में प्रभावशील घोषित किया गया है। बोर्ड के कृत्यों के संचालन हेतु राज्य स्तर पर एक कार्यपरिषद तथा जिला स्तर पर जिला गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समितियों का गठन किया गया है। राज्य गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन, उपाध्यक्ष माननीय मंत्री पशुपालन, सदस्य कृषि उत्पादन आयुक्त, प्रमुख सचिव गृह, प्रमुख सचिव वन, प्रमुख सचिव ग्रामीण विकास, प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन विकास, प्रमुख सचिव पशुपालन, संचालक पशुपालन, प्रबन्ध

संचालक ऊर्जा विकास निगम, संचालक कृषि, प्रबन्ध संचालक मध्यप्रदेश गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड, प्रबन्ध संचालक राज्य कृषि कल्याण विपणन बोर्ड हैं। राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य निम्नानुसार होते हैं:

- (अ) राज्य शासन द्वारा नामांकित एक अशासकीय व्यक्ति जो बोर्ड का "दूसरा" उपाध्यक्ष होगा।
- (ब) गौपालन एवं पशुधन संवर्धन में रूचि रखने वाले 7 अशासकीय सदस्य जिसमें कम से कम दो पंजीकृत गौशाला के संचालक होना अनिवार्य है।

### 7.3.2 जिला गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति

जिला गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति, अध्यक्ष और निम्नलिखित सदस्यों से मिलकर बनेगा, अर्थात्— कलेक्टर अध्यक्ष, पुलिस अधीक्षक सदस्य, उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं पदेन सचिव, उप संचालक कृषि कल्याण सदस्य, प्रबंधक, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम सदस्य, आयुक्त, नगर निगम/ मुख्य नगर पालिका अधिकारी सदस्य, जिला पंचायत के कृषि समिति का अध्यक्ष सदस्य, सचिव, कृषि उपज मंडी (जिला मुख्यालय का) सदस्य, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सदस्य है। अशासकीय सदस्य निम्नानुसार होते हैं:

- (अ) चार अशासकीय सदस्य, जिसमें से दो का नामांकन राज्य गौपालन एवम् पशुधन संवर्धन बोर्ड द्वारा एवम् दो का नामांकन जिले के प्रभारी मंत्री द्वारा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिले के विधायकों में से एक विधायक प्रभारी मंत्री द्वारा मनोनीत किया जाएगा। जिले के विधायकों का कार्यकाल बारी-बारी से एक वर्ष का होगा।
- (ब) जिला कलेक्टर, जिला गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति का पदेन अध्यक्ष होगा अशासकीय सदस्यों में से एक सदस्य उपाध्यक्ष होगा, जिसका मनोनयन राज्य बोर्ड द्वारा किया जाएगा।
- (स) संयुक्त/उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, जिला गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति का पदेन सचिव होगा।

### 7.3.3 नवीन गौशालाओं का पंजीयन एवं निरस्तीकरण

गौशालाओं के नवीन पंजीयन हेतु आवेदन जिला गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति के माध्यम से प्राप्त होने पर बोर्ड के सदस्यों तथा पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के भौतिक सत्यापन पश्चात् मापदंड अनुरूप पाए जाने पर पंजीयन की कार्यवाही की जाती है। बोर्ड द्वारा 10 गौशालाओं के नवीन पंजीयन किए गए हैं।

### 7.3.4 गौ-अभयारण्य अनुसंधान एवं उत्पादन केन्द्र, सालरिया सुसनेर, जिला आगर

गौ-अभयारण्य अनुसंधान एवं उत्पादन केन्द्र गाम सालरिया, तहसील सुसनेर, जिला आगर में 472.63 हैक्टेयर में स्थापित किया गया। गौ-अभयारण्य अनुसंधान एवं उत्पादन केन्द्र का शुभारम्भ दिनांक 27.09.2017 को कर दिया गया है। वर्तमान में गौ-अभयारण्य में लगभग 4309 गौवंश का पालन किया जा रहा है।

**गौ-अभयारण्य अनुसंधान एवं उत्पादन केन्द्र ग्राम सालरिया, तहसील सुसनेर में—**

- निराश्रित, दान में पुलिस अभिरक्षा में प्राप्त गौवंश के आवास तथा भरपूर आहार की सुनिश्चितता, उनके निर्भय व स्वतन्त्र विचरण के लिए, प्राकृतिक और स्वाभाविक वातावरण का निर्माण किया गया है।

- गौवंश को कृषि, ग्रामोद्योग, पर्यावरण व अर्थ से जोड़ने हेतु पंचगव्य के एकत्रीकरण, प्रबन्धन व विपणन का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है।
- भारतीय नस्लों के संरक्षण, चारागाह विकास, जैविक, बैल व नन्दी का वितरण इत्यादि कार्य किया जाएगा।

### 7.3.5 गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 में संशोधन

- गौवंश वध पर पूर्ण प्रतिबंध है।
- गौवंश वध अथवा गौवंश अवैध परिवहन के मामले में अपराध सिद्ध होने पर अधिकतम कारावास का सीमा बढ़ाकर 7 वर्ष की गई है।
- अधिनियम के तहद् पकड़े जाने पर सबूत का भार अभियुक्त पर होगा।
- गौवंश अवैध परिवहन के मामले में उपयोग किए गए वाहन को जप्त किया जा सकता है।

**तालिका 7.3**  
**प्रदेश स्तर पर गौशालाओं की स्थिति**

क्रमांक	विवरण	संख्या
1	कुल पंजीकृत गौशालाएं	1298
2	कुल क्रियाशील गौशाला	622
3	कुल अक्रियाशील गौशालाएं	676
4	गौशालाओं में स्थापित बायोगैस संयंत्र	72
5	गौशालाओं की संख्या जहां गोमूत्र से औषधियां तैयार की जा रही है	26
6	गौशालाओं की संख्या जहां गोबर खाद, जैविक खेती हेतु तैयार की जा रही है	312
7	गौशालाओं में उपलब्ध गौवंश	162843

**तालिका 7.4**  
**गौशालाओं को वर्षवार दी गई आर्थिक सहायता का विवरण**

सं.क्रं.	वर्ष	प्राप्त वंटन ( ` करोड़ में)	प्रदाय राशि ( ` करोड़ में)
1	2017-18	25.00	25.00
2	2018-19	20.00	18.53

## 7.4 पशु रोगी कल्याण समिति

राज्य के सभी जिलों में पशु कल्याण समितियों का गठन निम्नांकित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर किया गया है:-

- (i) क्षेत्र के पशुओं के उपचार की व्यवस्था करना।
- (ii) पशुपालन की सुविधा उपलब्ध कराना।
- (iii) अर्न्तवासी रोगी पशुपालकों को चिकित्सालय में ठहरने की व्यवस्था करना।
- (iv) पशु चिकित्सा भवनों में सुधार करना।
- (v) राज्य गौ संवर्धन बोर्ड की अनुमति से अनुदान प्राप्त गौशालाओं की देखभाल/पर्यवेक्षण करना।
- (vi) पशु कूरता निवारण अधिनियम का पालन करना।
- (vii) पशु पक्षियों के कल्याण के कार्यक्रमों के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करना।
- (viii) पालतू जानवरों का टीकाकरण तथा उपचार करना।
- (ix) रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम का प्रचार एवं सहयोग करना।
- (x) पशु चिकित्सा एवं उन्नत प्रजनन से संबंधित अन्य कार्य।

जिला पशु कल्याण समितियों में कलेक्टर कार्यकारी अध्यक्ष, उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवार्य सदस्य व पदेन सचिव एवं जिला स्तर के पशु चिकित्सालय का प्रभारी पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ सदस्य उप सचिव सहित 11 सदस्य होते हैं। इसके अतिरिक्त समिति में जिले के निर्वाचित दो विधायक भी सदस्य होते हैं।

## 7.5 पशु कूरता निवारण समिति:-

प्रदेश के 51 जिलों में पशु कूरता निवारण समिति का गठन किया गया है। जिले में पशु कूरता निवारण से संबंधित कार्य समिति के द्वारा किया जाता है।

## 7.6 मध्यप्रदेश पशु चिकित्सा परिषद्

प्रदेश में पशु चिकित्सा सेवाओं के नियमन हेतु भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् अधिनियम 1984 के प्रावधानों के तहद् कार्यवाही किए जाने के लिए वर्ष 2000 में मध्यप्रदेश पशु चिकित्सा परिषद् का गठन किया गया है।

### 7.6.1 मध्यप्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद् में निम्नानुसार सदस्य होते हैं-

- (i) निर्वाचित सदस्य-4
- (ii) राज्य शासन द्वारा नामांकित सदस्य-3
- (iii) पशु चिकित्सा संस्थाओं के मुखिया-पदेन सदस्य-1
- (iv) संचालक पशुपालन-पदेन सदस्य-1
- (v) प्रदेश स्तर के पशु चिकित्सा संघ का प्रतिनिधि-1
- (vi) रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश पशु चिकित्सा परिषद्-पदेन सदस्य-1

### 7.6.2 मध्यप्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद् में वर्तमान में 3276 पशु चिकित्सक पंजीकृत हैं।

भाग-आठ

परिशिष्ट-एक

मध्यप्रदेश में 19वीं पंचवर्षीय पशु संगणना 2012 के जिलेवार पशुधन के आँकड़े :-

क्र०	जिला	गौवंशीय पशु			भैंसवंशीय पशु	भेड़ा-भेंड़ी	बकरा-बकरी	सूकर	घोड़े-घोड़ी	खच्चर	गधे	ऊँट	कुल पशुधन	कुल कुक्कुट
		संकर नस्ल	देशी नस्ल	योग										
1	अलीराजपुर	431	440049	440480	57493	1940	310263	146	26	0	381	0	810729	665104
2	अनुपपुर	7572	339929	347501	62058	185	64172	3010	1098	0	35	12	478071	98572
3	अशोकनगर	11382	230187	241569	120889	2658	86420	965	114	0	63	0	452678	22901
4	बालाघाट	10871	565912	576783	141034	3	225972	5386	748	399	9	9	950343	248804
5	बड़वानी	599	399640	400239	110663	2661	306715	796	55	0	715	0	821844	703619
6	बैतूल	22908	503145	526053	120395	1703	145214	1052	405	182	229	1	795234	183493
7	भिण्ड	7530	102030	109560	219145	5808	95660	5146	264	49	332	5	435969	9234
8	भोपाल	20658	89434	110092	83655	65	39155	945	66	0	181	0	234159	990653
9	बुरहानपुर	2125	129372	131497	36211	49251	77342	531	1755	0	506	0	297093	104865
10	छतरपुर	3095	340818	343913	239206	4553	254774	6761	257	358	138	0	849960	80794
11	छिंदवाड़ा	23080	675987	699067	136696	56	273070	1799	1032	29	239	0	1111988	361116
12	दमोह	4868	553977	558845	106723	3627	121823	5418	246	0	50	0	796732	45833
13	दतिया	630	106555	107185	150324	3858	99841	2082	127	109	357	0	363883	15046
14	देवास	30259	314631	344890	236555	668	165742	740	84	25	177	1	748882	147955
15	धार	58107	565306	623413	200419	2165	435624	530	2040	2050	386	3	1266630	643012
16	डिंडोरी	506	375053	375559	43204	73	65329	5212	916	1	353	87	490734	136170
17	खण्डवा	1510	344854	346364	121184	169	130576	1137	672	837	83	0	601022	76441
18	गुना	14824	352976	367800	222426	706	129993	3415	94	18	615	52	725119	46725
19	ग्वालियर	5723	182221	187944	226089	15211	164062	2407	107	45	466	164	596495	49930
20	हरदा	2469	139240	141709	72850	1416	45989	208	45	2	8	0	262227	27717
21	होशंगाबाद	20369	319633	340002	112526	61	80059	2396	254	5	284	2	535589	159154
22	इन्दौर	81455	96129	177584	155290	629	96272	4	715	776	81	0	431351	141223
23	जबलपुर	27922	337423	365345	95324	1170	104280	4832	118	1	20	0	571090	3401896
24	झाबुआ	17409	391764	409173	102807	3024	266435	0	39	1	253	0	781732	468308
25	कटनी	3497	431864	435361	51866	1522	92760	3409	59	18	10	5	585010	18252
26	मंडला	7603	386045	393648	54641	132	77995	3842	274	447	39	0	531018	122671
27	मंदसौर	51231	245841	297072	224443	10181	182244	4267	927	13	584	1280	721011	33308

28	मुरैना	12715	129199	141914	623861	14758	164010	8618	461	232	2295	237	956386	49539
29	नरसिंहपुर	38080	283033	321113	127230	744	106612	2825	256	20	555	1	559356	53835
30	नीमच	21422	226366	247788	138044	8930	145131	1258	425	0	176	590	542342	28843
31	पन्ना	1408	413407	414815	141895	4011	125289	6477	353	236	327	0	693403	53448
32	रायसेन	12936	417270	430206	118116	850	90778	1010	277	4	322	1	641564	101297
33	राजगढ़	13223	478634	491857	510774	857	188593	2719	188	18	643	19	1195668	53531
34	रतलाम	30443	292175	322618	172635	3245	200927	1384	792	502	194	8	702305	208028
35	रीवा	41391	872814	914205	170806	24120	198629	15103	145	73	81	0	1323162	65982
36	सागर	8073	794747	802820	213711	1327	140628	5837	450	39	45	5	1164862	102375
37	सतना	23956	829593	853549	196178	15178	252606	9412	288	128	122	0	1327461	60120
38	सीहोर	51522	205100	256622	133069	175	67971	686	54	9	91	2	458679	48077
39	सिवनी	21376	491310	512686	124943	45	172503	3709	145	3	20	0	814054	363750
40	शहडोल	6131	500752	506883	86900	5842	104921	5062	249	33	23	0	709913	158809
41	शाजापुर	29690	306744	336434	292145	321	199970	3299	244	2	499	438	833352	194857
42	श्यापुर	560	244573	245133	144961	7261	123704	3314	55	1	640	132	525201	29146
43	शिवपुरी	16691	527805	544496	370247	47405	304748	9080	178	7	412	3	1276576	136059
44	सीधी	14314	433067	447381	94039	8803	190999	12776	35	42	23	0	754098	280298
45	सिंगरौली	2850	542021	544871	80167	7306	231458	3119	3	0	0	0	866924	203665
46	टीकमगढ़	6407	360563	366970	232231	38850	223571	5995	385	13	180	0	868195	180077
47	उज्जैन	33558	238866	272424	309821	724	205774	2248	614	49	761	356	792771	143792
48	उमरिया	974	337852	338826	46335	2877	68981	1000	26	0	10	0	458055	63770
49	विदिशा	13026	351331	364357	152480	511	80598	2411	353	213	518	0	601441	28053
50	खरगौन	1598	524152	525750	203285	1318	287754	1475	290	0	385	9	1020266	294569
<b>योग</b>		<b>840977</b>	<b>18761389</b>	<b>19602366</b>	<b>8187989</b>	<b>308953</b>	<b>8013936</b>	<b>175253</b>	<b>18803</b>	<b>6989</b>	<b>14916</b>	<b>3422</b>	<b>36332627</b>	<b>11904716</b>

## 19वीं पशुधन गणना 2012 के अनुसार पशुधन आँकड़ों में देश की तुलना में म0प्र0 की हिस्सेदारी

क्र०	विवरण	भारत	मध्यप्रदेश	भारत की तुलना में म0प्र0 का प्रतिशत
1.	गौवंशीय			
(अ)	संकर नस्ल पशु	39731810	840977	2.11
(ब)	देशी नस्ल पशु	151172295	18761389	12.41
	<b>कुल गौवंशीय पशु</b>	<b>190904105</b>	<b>19602366</b>	10.27
2.	भैंस वंशीय पशु	108702122	8187989	7.53
3.	भेड़ा-भेड़ी	65069189	308953	0.47
4.	बकरा-बकरी	135173093	8013936	5.93
5.	सूकर	10293695	175253	1.70
6.	घोड़े-टट्टू	624732	18803	3.01
8.	खच्चर	196378	6989	3.56
9.	गधे	318787	14916	4.68
12.	ऊँट	400274	3422	0.85
	<b>कुल पशुधन</b>	<b>512057301</b>	<b>36332627</b>	7.10
11.	कुल कुक्कुट	729209320	11904716	1.63
12.	कुल कुत्ते	11672617	433367	3.71
13,	खरगोश	591685	3679	0.62

स्रोत: भारत सरकार द्वारा अधिसूचित पुस्तिका अनुसार



देश के अन्य राज्यों की तुलना में प्रदेश के पशु उत्पादों अनुमानित दूध,अण्डा, ऊन एवं मांस उत्पादन (वर्ष 2017-18) की स्थिति

क्र०	प्रदेश	दूध उत्पादन (000मे.टन में)	अण्डा उत्पादन (लाख में)	मांस उत्पादन (000मे.टन में)	ऊन उत्पादन (000कि.ग्रामें)
1	आन्ध्र प्रदेश	13725	177776	709	794
2	तेलंगाना	4965	126700	645	4506
2	विहार	872	12185	343	298
3	छत्तीसगढ़	1469	17718	55	82
4	गोवा	55	299	8	0
5	गुजरात	13569	17868	33	2295
6	हरियाणा	9809	55855	470	693
7	हिमांचल प्रदेश	1392	981	4	1482
8	जम्मू एवं कश्मीर	2460	2334	87	7489
9	झारखण्ड	2016	5531	58	187
10	कर्नाटक	7137	55661	228	4305
11	केरल	2576	23481	469	0
12	मध्यप्रदेश	14713	19422	89	408
13	महाराष्ट्र	11102	56991	925	1437
14	उड़ीसा	2088	20622	183	0
15	पंजाब	11855	52250	276	515
16	राजस्थान	22427	14548	188	14287
17	तमिलनाडु	7742	174161	603	2
18	उत्तर प्रदेश	29052	24398	1151	1300
19	उत्तराखण्ड	1742	4298	29	564
20	पश्चिम बंगाल	5389	76434	773	758
21	अरुणाचल प्रदेश	54	550	21	60
22	असम	872	4952	48	0
23	मणिपुर	82	1018	28	0
24	मेघालय	85	1074	43	0
25	मिजोरम	25	410	16	0
26	नागालैण्ड	74	401	32	0
27	सिक्किम	59	63	4	0
28	त्रिपुरा	174	2621	45	0
29	अण्डमान निकोवार	17	1074	5	0
30	चण्डीगढ़	42	160	1	0
31	दादर व नगरहवेली	8	73	0	0
32	दमन एण्ड ड्यू	1	5	0.23	0
33	दिल्ली	279	0	66	0
34	लक्ष्यद्वीप	3	142	0.41	0
35	पुडुचेरी	49	114	15	0
	<b>योग</b>	<b>176347</b>	<b>952170</b>	<b>7656</b>	<b>41463</b>

भारत सरकार कृषि मंत्रालय, सांख्यिकी अनुभाग

परिशिष्ट-चार

जिलेवार अनुमानित दूध,अण्डा, ऊन एवं मांस उत्पादन की जानकारी  
(वर्ष 2017-18)

क्रं	जिले का नाम	दूध उत्पादन (000 मे.टन में)	अण्डा उत्पादन (लाख में)	मांस उत्पादन (000मे.टन में)	ऊन उत्पादन (000किग्रा में)
1	जबलपुर	396.59	6027.67	9.61	1.11
2	कटनी	187.45	41.20	1.69	1.21
3	मंडला	110.58	150.51	0.72	0.10
4	डिंडोरी	78.51	125.91	0.54	0.04
5	नरसिंहपुर	181.23	28.08	0.78	0.67
6	छिंदवाड़ा	242.61	568.85	2.00	0.02
7	बालाघाट	176.22	313.43	1.00	0.00
8	सिवनी	181.85	215.21	2.32	0.03
9	सागर	411.72	322.54	1.88	1.11
10	दमोह	246.69	89.96	0.88	2.63
11	पन्ना	236.74	41.13	0.71	5.41
12	टीकमगढ़	404.59	104.11	2.01	57.57
13	छतरपुर	389.03	70.58	0.86	6.10
14	रीवा	459.25	51.41	1.47	33.71
15	सीधी	183.84	167.29	1.04	11.94
16	सिंगरौली	217.69	201.33	0.94	9.88
17	सतना	422.65	80.27	1.18	15.00
18	शहडोल	138.43	139.97	0.66	7.91
19	अनुपपुर	74.80	71.28	0.67	0.10
20	उमरिया	90.39	55.28	0.49	3.71
21	इन्दौर	548.77	1805.62	7.61	0.69
22	धार	386.55	476.74	1.31	2.52
23	झाबुआ	140.01	476.50	0.57	3.97
24	अलीराजपुर	109.34	366.86	0.59	1.94
25	खरगौन	316.73	379.45	1.27	1.05

26	बड़वानी	189.07	539.96	1.02	2.42
27	खण्डवा	219.61	91.46	1.92	0.01
28	बुरहानपुर	65.78	65.48	0.85	70.77
29	उज्जैन	648.33	115.47	1.39	0.74
30	मंदसौर	420.10	56.24	0.84	14.45
31	नीमच	227.66	20.38	0.64	11.18
32	रतलाम	280.51	121.35	2.39	3.26
33	देवास	461.30	200.17	5.22	0.00
34	शाजापुर	430.00	561.54	2.23	0.00
35	ग्वालियर	435.17	119.93	0.93	20.70
36	मुरैना	691.45	33.09	0.75	19.05
37	श्यापुर	277.97	23.89	0.46	9.61
38	भिण्ड	423.86	19.03	0.59	6.81
39	शिवपुरी	539.37	97.23	1.12	68.56
40	गुना	302.18	61.64	0.77	0.78
41	अशोकनगर	176.63	26.65	0.51	3.32
42	दतिया	265.36	16.58	0.52	5.00
43	भोपाल	271.61	3697.93	11.98	0.00
44	सीहोर	430.43	120.81	2.16	0.09
45	रायसेन	250.61	131.14	2.06	0.69
46	विदिशा	326.82	50.69	3.15	0.33
47	बैतूल	279.43	260.62	0.97	1.40
48	राजगढ़	414.65	504.49	2.90	0.55
49	होशंगाबाद	237.35	62.60	0.66	0.04
50	हरदा	115.91	52.07	0.45	0.00
	<b>योग</b>	14713.43	19421.61	89.25	408.16

प्रजनन योग्य गौ-भैंस की जानकारी

19वीं पशु संगणना 2012 के अनुसार प्रजनन योग्य मादाओं की जानकारी						
क्रं	जिला	संकर गाय	देशी गाय	योग	भैंस वंश	कुल प्रजनन योग्य गौ-भैंस वंश
1	अलीराजपुर	124	64409	64533	29532	94065
2	अनुपपुर	3011	79849	82860	16870	99730
3	अशोकनगर	4830	114498	119328	64124	183452
4	बालाघाट	3588	145701	149289	49073	198362
5	बड़वानी	296	112620	112916	60139	173055
6	बैतूल	10661	123578	134239	61944	196183
7	भिण्ड	4147	48105	52252	108154	160406
8	भोपाल	10880	44632	55512	48275	103787
9	बुरहानपुर	1169	36461	37630	20626	58256
10	छतरपुर	1194	121927	123121	120322	243443
11	छिंदवाड़ा	9761	186116	195877	67810	263687
12	दमोह	1815	224838	226653	54368	281021
13	दतिया	300	43524	43824	80226	124050
14	देवास	16171	110599	126770	131507	258277
15	धार	28952	187548	216500	110689	327189
16	डिण्डोरी	165	81736	81901	15741	97642
17	खण्डवा	536	99803	100339	66621	166960
18	गुना	5940	142573	148513	106704	255217
19	ग्वालियर	3050	104358	107408	129124	236532
20	हरदा	1188	48157	49345	38823	88168
21	होशंगाबाद	9127	133146	142273	57166	199439
22	इन्दौर	44411	43558	87969	93664	181633
23	जबलपुर	13625	130049	143674	54513	198187
24	झाबुआ	7271	101771	109042	52153	161195
25	कटनी	1041	135123	136164	23248	159412

26	मंडला	2522	95499	<b>98021</b>	16436	<b>114457</b>
27	मंदसौर	26836	106393	<b>133229</b>	120153	<b>253382</b>
28	मुरैना	6779	60591	<b>67370</b>	320390	<b>387760</b>
29	नरसिंहपुर	17704	109875	<b>127579</b>	65753	<b>193332</b>
30	नीमच	11451	97574	<b>109025</b>	71338	<b>180363</b>
31	पन्ना	356	152010	<b>152366</b>	72306	<b>224672</b>
32	रायसेन	6715	181122	<b>187837</b>	63384	<b>251221</b>
33	राजगढ़	6316	164591	<b>170907</b>	232480	<b>403387</b>
34	रतलाम	16128	107582	<b>123710</b>	92360	<b>216070</b>
35	रीवा	19315	312914	<b>332229</b>	82524	<b>414753</b>
36	सागर	3756	360566	<b>364322</b>	111268	<b>475590</b>
37	सतना	9846	328558	<b>338404</b>	94767	<b>433171</b>
38	सीहोर	28203	77548	<b>105751</b>	70884	<b>176635</b>
39	सिवनी	9238	128513	<b>137751</b>	59923	<b>197674</b>
40	शहडोल	2881	122041	<b>124922</b>	28735	<b>153657</b>
41	शाजापुर	15172	121356	<b>136528</b>	154906	<b>291434</b>
42	श्योपुर	259	111441	<b>111700</b>	72965	<b>184665</b>
43	शिवपुरी	7852	189301	<b>197153</b>	189757	<b>386910</b>
44	सीधी	6138	125337	<b>131475</b>	42582	<b>174057</b>
45	सिंगरौली	1242	145569	<b>146811</b>	38012	<b>184823</b>
46	टीकमगढ़	2356	125659	<b>128015</b>	118584	<b>246599</b>
47	उज्जैन	17204	101982	<b>119186</b>	166980	<b>286166</b>
48	उमरिया	403	88431	<b>88834</b>	19731	<b>108565</b>
49	विदिशा	6708	176220	<b>182928</b>	83848	<b>266776</b>
50	खरगौन	809	152558	<b>153367</b>	121632	<b>274999</b>
	<b>योग</b>	409442	6407910	<b>6817352</b>	4173114	<b>10990466</b>

मध्यप्रदेश में 19वीं पशु संगणना 2012 के अनुसार प्रति संस्थावार पशुधन की स्थिति  
( 2018-19 की स्थिति में)

क्रं	जिला	पशु चिकित्सालय	पशु औषधालय	कुल संस्थाएं	पशु संख्या 2012	प्रति संस्था पशु संख्या
1	भोपाल	15	7	22	234159	10644
2	सीहोर	19	25	44	458679	10425
3	रायसेन	16	33	49	641564	13093
4	राजगढ़	20	40	60	1195668	19928
5	विदिशा	14	39	53	601441	11348
6	बैतूल	27	54	81	795234	9818
7	होशंगाबाद	16	33	49	535589	10930
8	हरदा	8	13	21	262227	12487
9	इन्दौर	18	24	42	431351	10270
10	धार	30	52	82	1266630	15447
11	झाबुआ	14	25	39	781732	20044
12	अलीराजपुर	13	19	32	810729	25335
13	खरगौन	38	34	72	1020266	14170
14	बड़वानी	25	23	48	821844	17122
15	खण्डवा	21	21	42	601022	14310
16	बुरहानपुर	8	15	23	297093	12917
17	उज्जैन	26	21	47	792771	16867
18	देवास	20	25	45	748882	16642
19	शाजापुर	17	17	34	833352	24510
20	रतलाम	21	38	59	702305	11903
21	मंदसौर	24	17	41	721011	17586
22	नीमच	17	16	33	542342	16435
23	ग्वालियर	22	20	42	596495	14202
24	शिवपुरी	29	47	76	1276576	16797
25	दतिया	12	25	37	363883	9835
26	मुरैना	24	23	47	956386	20349
27	श्यामपुरकला	11	22	33	525201	15915
28	भिण्ड	21	28	49	435969	8897
29	गुना	15	41	56	725119	12949
30	अशोकनगर	11	24	35	452678	12934
31	सागर	41	42	83	1164862	14034

क्रं	जिला	पशु चिकित्सालय	पशु औषधालय	कुल संस्थाएं	पशु संख्या 2012	प्रति संस्था पशु संख्या
32	दमोह	29	23	52	796732	15322
33	छतरपुर	34	39	73	849960	11643
34	टीकमगढ़	26	42	68	868195	12958
35	पन्ना	26	32	58	693403	11955
36	जबलपुर	31	28	59	571090	9679
37	कटनी	13	29	42	585010	14269
38	नरसिंहपुर	14	33	47	559356	11901
39	सिवनी	18	53	71	814054	11629
40	छिंदवाड़ा	26	74	100	1111988	11120
41	बालाघाट	27	48	75	950343	12671
42	मण्डला	25	31	56	531018	9482
43	डिण्डोरी	12	23	35	490734	14021
44	रीवा	41	56	97	1323162	13502
45	सतना	28	61	89	1327461	15915
46	सीधी	24	41	65	754098	11602
47	सिंगरौली	15	21	36	866924	24081
48	शहडोल	23	35	58	709913	12240
49	उमरिया	13	16	29	458055	15795
50	अनुपपुर	15	26	41	478071	11660
51	आगर	10	9	19		
	<b>योग</b>	<b>1063</b>	<b>1583</b>	<b>2646</b>	<b>36332627</b>	<b>13721</b>





राज्य स्तरीय पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान भोपाल में दिनांक 9 जनवरी 2017 को माननीय श्री अंतर सिंह आर्य जी मंत्री, मध्य प्रदेश शासन, पशुपालन विभाग, विभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए

राज्य स्तरीय पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान भोपाल में दिनांक 9 जनवरी 2017 को विभागीय समीक्षा बैठक में उपस्थित प्रदेश के अधिकारी गण

माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान जी मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश शासन, घुमक्कड़, अर्द्ध घुमक्कड़ विमुक्त जाति सम्मेलन देवास में दिनांक 23 दिसम्बर 2016 को योजनाओं का अवलोकन करते हुए

ग्राम सनावद (जिला खरगौन) में दिनांक 31 अक्टूबर 2016 को गोकुल महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर गौपूजन करते हुए माननीय श्री अंतर सिंह आर्य जी मंत्री, मध्य प्रदेश शासन, पशुपालन विभाग

वर्ष	सामान्य योजना 14+74		आदिवासी उपयोजना 41+52		विशेष घटक 64	
	प्रावधान	व्यय	प्रावधान	व्यय	प्रावधान	व्यय
2015—16	25157.47	18238.10	6628.58	3883.22	7344.65	4257.83

**तालिका 3.3**  
**राज्य योजना के अन्तर्गत विगत तीन वर्षों की वित्तीय उपलब्धि**  
(राशि ` लाख में)

वर्ष	
------	--

क्रं	योजना का नाम	2016-17		2017-18		2018-19	
		प्राप्त	व्यय	प्राप्त	व्यय	प्राप्त	व्यय (माह दिस0तक)
1	अधोसंरचना विकास	635.70	635.70	236.81	236.81	457.20	345.09

**तालिका 3.4**  
**राज्य योजनान्तर्गत विगत तीन वर्षों की भौतिक उपलब्धि**

वर्ष							
क्रं	योजना का नाम	2016-2017		2017-2018		2018-2019	
		लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति (माह दिस0तक)
1	अधोसंरचना विकास	50	50	26	26	32	26